हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 340 : जौनपुर, सोमवार 11 सितम्बर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

विश्व गुरु और 'विश्व बंधु के रूप में उभरकर सामने आया भारत...जी20 घोषणापत्र पर बोले राजनाथ सिंह

एजेन्सी

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि भारत की जी20 समूह की अध्यक्षता ने विश्व मंच पर 'अमिट छाप छोड़ी है और इस दौरान नयी दिल्ली घोषणापत्र पर आम सहमति बनना दुनिया में विश्वास की कमी को पाटने की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने 'विश्व गुरु और 'विश्व बंधु दोनों रूपों में 'भारत के कौशल को सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया है। रक्षा मंत्री सिंह ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा, ''नयी दिल्ली में ऐतिहासिक जी20 शिखर सम्मेलन सफलतापूर्वक समाप्त हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की अध्यक्षता में हुई इस बैठक ने विश्व मंच पर अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने कहा, ''नयी दिल्ली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन में घोषणापत्र पर आम सहमति बनना

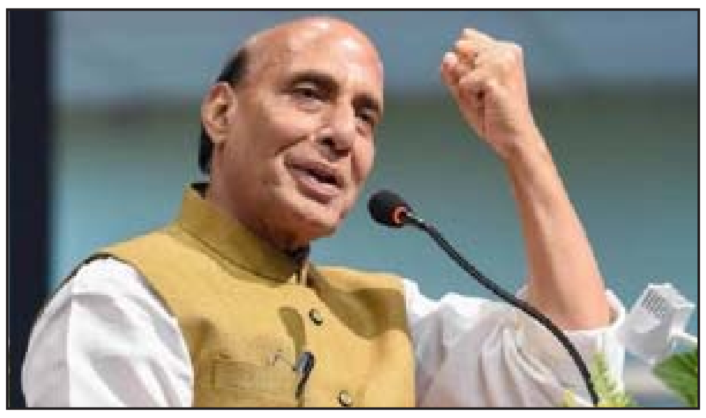

वैश्विक विश्वास की कमी को पाटने तथा दुनिया में भरोसा विकसित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। राजनाथ सिंह ने कहा कि जी20 घोषणापत्र में यूक्रेन युद्ध और अन्य मामलों को लेकर आम सहमति वाला बयान विभिन्न देशों को करीब लाने और साझा मकसद के लिए मतभेदों को दूर करने की भारत की अभूतपूर्व क्षमता को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि जी20 में भारत ने 'भारत–पश्चिम एशिया यूरोप आर्थिक गलियारे की शुरूआत की जिससे अरब प्रायद्वीप और यूरोप के साथ भारत के सामरिक सम्पर्क को विस्तार मिलेगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह पहल भारत और अरब दुनिया के साथ भारत के दीर्घकालिक सम्पर्क को स्थापित करने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि अफ्रीकी संघ को समूह की स्थायी सदस्यता मिलना समावेशिता को मजबूत और अफ्रीका के साथ सहयोग को गहरा बनाने वाला कदम है। राजनाथ ने कहा, ''अफ्रीकी संघ का जी20 में शामिल होना प्रधानमंत्री मोदी की 'ग्लोबल साउथ पहल की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रधानमंत्री पीएम मोदी ने 'विश्व गुरु और 'विश्व बंधु दोनों रूपों में भारत के कौशल को सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया है। 'ग्लोबल साउथ शब्द का इस्तेमाल एशिया, अफ्रीका और लातिन अमेरिका के विकासशील देशों के लिए किया जाता है। रक्षा मंत्री ने कहा, '' उनकी (प्रधानमंत्री मोदी) समावेशी और लोकोन्मुखी पहल भारत की जी20 अध्यक्षता को परिभाषित करती है। मैं प्रधानमंत्री मोदी को उनके अभूतपूर्व नेतृत्व और सोच के लिए बधाई देता हूं। वहीं, भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भारत की जी20 अध्यक्षता की जबरदस्त सफलता के लिए प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी और कहा कि उनके नेतृत्व में भारत 'ग्लोबल साउथ की आवाज बनकर उभरा है। नड्डा ने कहा, ''भारत की जी20 अध्यक्षता की जबरदस्त सफलता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत 'ग्लोबल साउथ की आवाज बनकर उभरा है और उसने यह प्रदर्शित किया है कि महत्वपूर्ण भू राजनीतिक विभाजन के काल में विभिन्न देश पृथ्वी और इसके लोगों की भलाई के लिए सहयोग कर सकते हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि शिखर बैठक में घोषणापत्र को अंगीकार किया जाना खास तौर पर पथ प्रदर्शक है क्योंकि इसने भू राजनीतिक और जलवायु के महत्वपूर्ण मुद्दे पर बड़ी वैश्विक शक्तियों को साथ लाने का काम किया है। नड्डा ने कहा कि जी20 की सफलता भारतीय कूटनीति की ऐतिहासिक घटना है और इसने प्रत्येक भारतीय को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा, ''यह हमारे उन सांस्कृतिक मूल्यों की शाश्वत गुणवत्ता की गवाह भी है जो हमें एक पृथ्वी, एक कुटुंब और एक भविष्य होने की सीख देते हैं। जी20 समूह की शिखर बैठक शनिवार को शुरू हुई थी और रविवार को इसका समापन हुआ।

अति आत्मविश्वास के कारण हम घोसी का चुनाव हारे, बोले, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या

एजेन्सी

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच में रविवार को अपने एक दिवसीय दौरे पर जनपद पहुंचे उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या ने भाजपा कार्यालय पहुंचकर कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया। उन्होंने 2024 को लेकर कार्यकर्ताओं का उत्साह वर्धन किया। कार्यकर्ताओं में पदाधिकारी द्वारा उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इस दौरान सांसद, जिला अध्यक्ष समेत भाजपा के कई विधायक मौजूद रहे। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि बेशक हम घोसी का उपचुनाव हारे हैं। इस हार का कारण हमारा अति आत्मविश्वास था। हम हार की समीक्षा कर रहे हैं हार और जीत से ज्यादा अंतर नहीं होता। उन्होंने कहा कि जब पिछली बार हम दो सीटे हारे थे तो समाजवादी पार्टी फूले नहीं समा रही थी। वह गुब्बारे की तरह फूल गई थी लेकिन 2022 में जनता ने उनकी हवा निकालने का काम किया था। घोषी चुनाव की जीत को लेकर समाजवादी पार्टी फूले नहीं समा रही है वह गुब्बारे की तरह फूल चुकी है जनता फिर से उनकी हवा निकालने का कार्य करेगी। इसके बाद उन्होंने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की और हरियाली रिसोर्ट में राष्ट्रीय जायसवाल सम्मेलन में भी शिरकत की। गौरतलब है कि मऊ में घोसी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा की एक ओर जहां दारा सिंह चौहान प्रत्याशी के तौर पर मैदान में थे, वहीं हाल ही में एनडीए में शामिल हुए सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर लगातार बीजेपी प्रत्याशी की जीत के लिए मैदान पर डटे हुए थे। फिलहाल घोसी उपचुनाव में सपा प्रत्याशी सुधाकर सिंह ने दारा सिंह चौहान को करारी मात दे दी।

नायडू की गिरफ्तारी पर टीडीपी का विरोध जारी

एजेन्सी

अमरावती। आंध्र प्रदेश में विपक्षी तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने रविवार को लगातार दूसरे दिन पार्टी सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी पर विरोध प्रदर्शन जारी रखा। पुलिस ने विरोध प्रदर्शन को विफल करने के लिए राज्य भर में कई टीडीपी नेताओं को नजरबंद कर दिया और कई अन्य को हिरासत में लिया। विजयवाड़ा में पूर्व मंत्री कोल्लू रवींद्र को गिरफ्तार कर लिया गया। वह शनिवार सुबह से ही विरोधा कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। पार्टी के कई प्रमुख नेताओं को दूसरे दिन भी नजरबंद रखा गया। पूर्व मंत्री बंडारू सत्यनारायण मूर्ति को विशाखापत्तनम जिले के वेनेलापलेम में नजरबंद कर दिया गया। विशाखापत्तनम पश्चिम के विधायक गणबाबू और पूर्व विधायक पी. श्रीनिवास राव को भी अपने घरों से बाहर आने की अनुमति नहीं दी गई। विशाखापत्तनम के एमवीपी कॉलोनी में भूख हड़ताल पर बैठे टीडीपी नेताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस कर्मियों ने अनशन पर बैठे नेताओं को जबरन उठा लिया। विपक्षी दल ने आरोप लगाया कि महिला नेताओं को भी नहीं बख्शा गया। गुंटूर में पूर्व मंत्री कन्ना लक्ष्मीनारायण को नजरबंद कर दिया गया। पुलिस ने अविभाजित गुंटूर जिले में कई पूर्व मंत्रियों, पूर्व विधायकों और अन्य नेताओं को उनके घरों से बाहर आने की अनुमति नहीं दी। टीडीपी के आह्वान पर, कई नेता नायडू के साथ एकजुटता दिखाने के लिए गुंटूर जिले के प्रथीपाडु में सामूहिक भूख हड़ताल पर बैठे। कन्ना लक्ष्मीनारायण ने कौशल विकास निगम मामले में नायडू की गिरफ्तारी को अवैध बताया। उन्होंने कहा कि वाईएसआरसीपी सरकार नायडू को झूठे मामले में फंसाने की कोशिश कर रही है। वरिष्ठ नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी उनकी सरकार पर सवाल उठाने वालों को निशाना बना रहे हैं। पूर्व मंत्री ने कहा कि वाईएसआरसीपी सरकार को जनता की अदालत में इसकी कीमत चुकानी होगी। नेल्लोर जिले में टीडीपी नेताओं को भी नजरबंद कर दिया गया।

11 सितंबर से सस्ता सोना खरीदने का मौका

एजेन्सी

नयी दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक लोगों को सस्ता सोना खरीदने का मौका दे रहा है। इस सोने को आप बाजार भाव से कम कीमत में खरीद सकते हैं। सस्ता सोना सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम के तहत खरीदा जा सकता है।

आरबीआई ने वित्त वर्ष 2023–24 के लिए सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की दूसरी सीरीज जारी कर दी है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम के तहत सस्ता सोना खरीदने के लिए पांच दिन का समय दिया जा रहा है। 11 सितंबर से 15 सितंबर तक सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम सदस्यता के लिए खुला रहेगा। सोना ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड दोनों तरीके से खरीदा जा सकता है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेशक 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने में निवेश करते हैं यानी 99.9 फीसदी प्योर गोल्ड में इंवेस्ट किया जा सकता है।

पीएम मोदी ने जी20 सम्मेलन के समापन की घोषणा की, ब्राजील को सौंपी अध्यक्षता

एजेन्सी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नयी दिल्ली जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन को समाप्त करने की घोषणा की और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा को अध्यक्षता सौंपी। ब्राजील अगले एक वर्ष जी20 की अध्यक्षता करेगा। पीएम मोदी ने उम्मीद जताई कि ब्राजील की अध्यक्षता में जी20 समूह साझा एजेंडे को और आगे बढ़ाएगा। उन्होंने इस अवसर पर ब्राजील के राष्ट्रपति को भी बधाई दी। जी20 शिखर सम्मेलन के समापन की घोषणा करते हुए पीएम मोदी ने कहा, जैसा कि आप सभी जानते हैं कि भारत के पास नवंबर 2023 तक जी20 अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी है। इन दो दिनों में आप सभी ने बहुत सारे सुझाव दिए और प्रस्ताव रखे। यह हमारा कर्तव्य है कि हमें जो सुझाव मिले हैं उनकी एक बार फिर से समीक्षा की जाए ताकि यह देखा जा सके कि उनकी प्रगति को कैसे गति दी जा सकती है। मेरा प्रस्ताव है कि नवंबर के अंत में हम जी20 का एक वर्चुअल सत्र आयोजित करें। उन्होंने आगे कहा, हम इस शिखर सम्मेलन में तय किए गए विषयों की समीक्षा उस वर्चुअल सत्र में कर सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि आप सभी वर्चुअल सत्र में जुड़ेंगे। इसके साथ ही मैं जी20 शिखर सम्मेलन के समापन की घोषणा करता हूं। भारत ने पिछले साल बाली शिखर सम्मेलन के दौरान इंडोनेशिया से जी20 की अध्यक्षता ली थी। वित्तीय समावेशन को बढ़ाना और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ–साथ उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए बहुपक्षीय विकास बैंकों (एमडीबी) का विस्तार करना, ग्लोबल साउथ की आवाज को बढ़ाना और पर्यावरण स्थिरता सुनिश्चित करना भारत की जी20 अध्यक्षता के कुछ प्रमुख लक्ष्य रहे हैं।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने अक्षरधाम मंदिर का किया दौ

एजेन्सी

नयी दिल्ली। जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत के दौरे पर आए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने रविवार को कड़ी सुरक्षा के बीच प्रसिद्ध अक्षरधाम मंदिर का दौरा किया। सुनक अपनी पत्नी अक्षता मूर्ति के साथ थे। रविवार सुबह मंदिर पहुंचने पर सद्भावना और मित्रता के प्रतीक पारंपरिक हिंदू तरीके से गर्मजोशी से उनका स्वागत किया गया। अपनी यात्रा के दौरान, ब्रिटिश प्रधानमंत्री को स्वामीनारायण अक्षरधाम का अवलोकन कराया गया। पीएम सुनक और उनकी पत्नी ने पवित्र छवियों, कला और वास्तुकला की प्रशंसा की। दंपति ने श्री नीलकंठ वर्णी महाराज की मूर्ति पर अभिषेक (जल चढ़ाना) भी किया और विश्व शांति, प्रगति और सद्भाव के लिए प्रार्थना की। मंदिर के अपने दौरे से उत्साहित ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने कहा, मैं और मेरी पत्नी आज सुबह दर्शन और पूजा के लिए स्वामीनारायण अक्षरधाम जाकर बहुत प्रसन्न हुए। बाद में सुनक अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ यहां राजघाट गये और महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने शनिवार को भारत मंडपम में जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित रात्रिभोज में भी शामिल हुए।

जैव ईंधन गठबंधन से जी20 देशों के लिए तीन साल में 500 अरब डॉलर के अवसर पैदा होंगे : आईबीए

एजेन्सी

नयी दिल्ली। भारतीय बायोगैस एसोसिएशन (आईबीए) का मानना है कि जैव ईंधन गठबंधन अगले तीन साल में जी20 देशों के लिए 500 अरब अमेरिकी डॉलर के अवसर पैदा कर सकता है। आईबीए ने कहा कि जैव ईंधन गठबंधन जी20 देशों के साथ पर्यावरण की दृष्टि से भी लाभ का सौदा साबित होगा। आईबीए के एक अध्ययन के अनुसार, जैव ईंधन गठबंधन जी20 देशों के लिए अगले तीन साल में 500 अरब डॉलर के अवसर पैदा कर सकता है। अध्ययन के निष्कर्ष महत्वपूर्ण हैं क्योंकि भारत वर्तमान में नयी दिल्ली में जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। इसमें कहा गया है कि अन्य ऊर्जा विकल्पों की तुलना में जैव ईंधन उत्पादन में कम निवेश की जरूरत और कच्चे माल की सुगम उपलब्धता को देखते हुए कहा जा सकता है कि बायोगैस से 200 अरब डॉलर के अवसर पैदा हो सकते हैं। इसमें कहा गया है कि सैद्धान्तिक रूप से जैव ऊर्जाध्बायोगैस जीवाश्म ईंधन की पूरी तरह जगह ले सकता है। खासकर यह परिवहन क्षेत्र में कॉर्बन उत्सर्जन को कम कर सकता है। वर्ष 2016 में जी20 ने नवीकरणीय ऊर्जा पर एक स्वैच्छिक कार्ययोजना को अपनाया था। इसके तहत जी20 के सदस्यों को अपनी कुल ऊर्जा में नवीकरणीय ऊर्जा के हिस्से को बढ़ाना था। भारत ने अपने कुल ऊर्जा मिश्रण में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी उल्लेखनीय रूप से बढ़ाई है। पिछले छह साल में यह सालाना 22 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। भारत ने पिछले दशक में सौर ऊर्जा में 20 गुना वृद्धि की है। इस अवधि के दौरान सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा की सालाना वृद्धि मोटे तौर पर क्रमशः 38 प्रतिशत और 30 प्रतिशत रही है। इसमें कहा गया है कि जैव ईंधन उद्योग को गति देने के लिए शुरुआत में 100 अरब डॉलर के निवेश की जरूरत होगी यानी अगले तीन साल में प्रत्येक जी20 भागीदार को पांच–पांच अरब डॉलर का निवेश करना होगा।आईबीए ने कहा कि जैव ईंधन गठबंधन की सफलता के लिए जी20 भागीदारों के बीच मशीनरी और उपकरणों के हस्तांतरण को आसान बनाया जाना चाहिए। इससे जी20 देशों को जीवाश्म ईंधन पर अपनी निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। ऐसे में अगले तीन साल में उनका गैर–जीवाश्म ईंधन का आयात बिल अरबों डॉलर घट जाएगा और उन्हें अपने सतत विकास लक्ष्यों (एसजीडी) को हासिल करने में मदद मिलेगी।

आय में बढ़ोत्तरी के साथ रोजगार का पैदा करें अवसर

एजेन्सी

बहराइच। जिले में सुहेलदेव एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की ग्राम पंचायत सिसई हैदर में स्थापित मशरूम उत्पादन यूनिट का जिलाधिकारी मोनिका रानी ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इसके बाद डीएम ने मशरूम उत्पादन कक्ष में कोकोपिट डालकर मशरूम लगाया। तैयार फसल की कटाई भी की। डीएम मोनिका रानी ने एफपीओ निदेशकों व सदस्यों से कहा कि कृषि के क्षेत्र में नवाचार को अपनाकर स्वयं की आय में बढ़ोत्तरी के साथ–साथ आकांक्षात्मक जिले में दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा करें। डीएम ने सुझाव दिया कि जरबेरा का व्यावसायिक स्तर पर पालीहाउस के अन्दर उत्पादन करें, क्योकि जरबेरा उत्पादन से जिले के निर्यात में बढ़ोत्तरी होगी। डीएम ने कहा कि हल्दी और केले की व्यवसायिक स्तर पर गुणवत्तापरक खेती से किसान भाइयों की आय में गुणात्मक वृद्धि होगी। डीएम ने कहा कि जिले के 6 एफपीओ द्वारा 19 फार्म्स कम्पनी के साथ एमओयू साइन किया गया।

200 घंटे से भी ज्यादा बातचीत और 300 बैठकें, भारत के जी20 शेरपा की थरूर ने जमकर की तारीफ

एजेन्सी

नयी दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने 'दिल्ली डिक्लेरेशन (घोषणापत्र) पर आम सहमति बनाने के लिए रविवार को भारत के जी20 शेरपा अमिताभ कांत की प्रशंसा की और कहा कि यह ''जी20 में भारत के लिए गौरवशाली क्षण था। एक साक्षात्कार में रूस–यूक्रेन पर पैराग्राफ पर आम सहमति बनाने संबंधी कांत की टिप्पणियों को टैग करते हुए थरूर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ''बहुत खूब अमिताभ कांत। ऐसा लगता है कि जब आपने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) का चयन किया था, तो भारतीय वन सेवा ने एक उत्कृष्ट राजनयिक खो दिया। थरूर ने शनिवार रात किए पोस्ट में कहा कि दिल्ली डिक्लेरेशन पर आम सहमति को लेकर भारत के जी20 शेरपा का कहना है कि रूस, चीन से बातचीत की गई, गत रात ही अंतिम मसौदा मिला। जी 20 में भारत के लिए गर्व का क्षण। भारत ने शनिवार को बड़ी कूटनीतिक जीत हासिल करते हुए रूस–यूक्रेन युद्ध पर काफी मतभेदों के बावजूद ळ20 शिखर सम्मेलन में सर्वसम्मति से घोषणापत्र जारी किया। कांत ने रविवार को कहा कि यहां 'लीडर्स समिट में अपनाए गए 'जी20 डिक्लेरेशन (घोषणापत्र) पर आम सहमति बनाने के लिए भारतीय राजनयिकों के एक दल ने 200 घंटे से भी अधिक समय तक लगातार बातचीत की। संयुक्त सचिव ई गंभीर और के नागराज नायडू समेत कई राजनयिकों के एक दल ने 300 द्विपक्षीय बैठकें कीं और 'जी20 लीडर्स समिट के पहले दिन ही सर्वसम्मति बनाने के लिए विवादास्पद यूक्रेन संघर्ष पर अपने समकक्षों को 15 मसौदे वितरित किए।

सुप्रीम कोर्ट ने देश का नाम बदलने वाली याचिकाओं पर विचार से कर दिया था इनकार

एजेन्सी

नयी दिल्ली। भारत के संविधान के पहले अनुच्छेद के पहले खंड में कहा गया है, इंडिया, जो कि भारत है, राज्यों का एक संघ होगा। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार 18–22 सितंबर को होने वाले संसद के विशेष सत्र के दौरान संविधान में संशोधन करने या भारत को देश का आधिकारिक नाम बनाने के लिए एक प्रस्ताव लाने पर विचार कर रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा जी20 विश्व नेताओं को एक

आधिकारिक भोज के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद अटकलें शुरू हो गईं, जिसमें उन्हें प्रेसीडेंट ऑफ इंडिया के बजाय प्रेसीडेंट ऑफ भारत के रूप में संबोधित किया। 2015 में, महाराष्ट्र स्थित एक सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा सुप्रीम कोर्ट के समक्ष सभी आधिकारिक और अनौपचारिक उद्देश्यों के लिए भारत नाम का उपयोग करने के लिए केंद्र सरकार को निर्देश देने की मांग वाली एक याचिका दायर की गई थी। याचिकाकर्ता ने कहा था कि संविधान सभा की बहस के दौरान हमारे देश के लिए भारत, हिंदुस्तान, हिंद, भारतभूमि, भारतवर्ष आदि जैसे महत्वपूर्ण नाम सुझाए गए थे, क्योंकि इंडिया शब्द ब्रिटिश शासन के दौरान लिया गया था। भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) एच. एल. दत्तू और न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा (अब सेवानिवृत्त) की पीठ ने मामले की जांच करने का फैसला किया और केंद्र और राज्यों से जवाब मांगा। संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर याचिका में यह भी मांग की गई कि गैर–सरकारी संगठनों और निगमों को भी सभी आधिकारिक और अनौपचारिक उद्देश्यों के लिए भारत का उपयोग करने का निर्देश दिया जाना चाहिए। जवाब में, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 1 में किसी भी बदलाव पर विचार करने के लिए परिस्थितियों में कोई बदलाव नहीं हुआ है और बताया कि संविधान के प्रारूपण के दौरान संविधान सभा ने अनुच्छेद में खंडों को सर्वसम्मति से अपनाने से पहले इस मुद्दे पर व्यापक विचार–विमर्श किया था।

सम्पादकीय

उपचुनाव नतीजों का समीकरण

छह राज्यों की सात विधानसभा सीटों पर हुए उप चुनाव के नतीजों से साफ लगता है इस वर्ष के दिसम्बर माह तक पांच राज्यों (मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना व मिजोरम) में होने वाले विधानसभा चुनावों में केन्द्र में सत्तारूढ़ गठबन्धन 'एनडीए' व विपक्षी गठबन्धन 'इंडिया' के बीच भीषण 'वोट युद्ध' होगा। इन पांचों राज्यों में से केवल दो ही राज्यों (मध्य प्रदेश व मिजोरम) में जहां भाजपा व उसके सहयोगी दलों की सरकारें हैं वहीं तीन राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं। इनमें छत्तीसगढ़ व राजस्थान में कांग्रेस पार्टी की सरकारें है जबकि तेलंगाना में वहां की क्षेत्रीय पार्टी भारत तेलंगाना समिति की सरकार है। जहां तक चुनावी समीकरणों का फिलहाल सवाल है तो यह कहा जा सकता है कि विभिन्न 28 विपक्षी दलों के गठबन्धन इंडिया का गठन 2024 के लोकसभा चुनावों को देखते हुए किया गया है। अतः इन पांचों राज्यों में कस कर सीधा मुकाबला भाजपा व कांग्रेस के बीच ही होगा।

अभी जिन विधानसभा की सात सीटों पर उपचुनाव हुए थे उनमें उत्तर प्रदेश की घोसी सीट के अलावा प. बंगाल की धूपगुड़ी, केरल की पुथुप्पल्ली, उत्तराखंड की बागेश्वर, झारखंड की डुमरी व त्रिपुरा की बोक्सानगर व धनपुर सीटें शामिल हैं। इनमें से तीन सीटें (बागेश्वर, धनपुर व बोक्सानगर) भाजपा की झोली में गई हैं और शेष चार सीटें इंडिया के गठबन्धन दलों को मिली हैं। इन सभी में से उत्तर प्रदेश की घोसी सीट का महत्व सबसे ज्यादा है क्योंकि उत्तर प्रदेश में भाजपा के नेता योगी आदित्यनाथ की सरकार है। योगी जी की सरकार को बहुत मजबूत सरकार माना जाता है और समझा जाता है कि जिस तरह प्रशासनिक व सामाजिक स्तर पर योगी जी ने अपनी पकड़ राज्य के मतदाताओं पर बनाई हुई है उसमें ढीलापन आ गया है। घोसी सीट श्री अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी ने जीती है जिसे कांग्रेस व इंडिया के अन्य दलों का पूरा समर्थन प्राप्त था। यह पूरा 'इंडिया' ने भाजपा के एनडीए के खिलाफ जीता है जिसकी वजह से विपक्षी दलों का मनोबल बढ़ा हुआ लगता है। मगर भाजपा ने भी त्रिपुरा राज्य की दो सीटें जीत कर साफ कर दिया है जहां उसी की सरकार है। इसी प्रकार इसने उत्तराखंड की सीट भी जीत ली। यहां भी भाजपा की ही सरकार है। प. बंगाल की धूपगुड़ी सीट पर ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद इसी को यह सीट मिली है जबकि पिछले वर्ष के चुनावों में यह सीट भाजपा को मिली थी। केरल में कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी ने उपचुनाव मार्क्सवादी पार्टी के प्रत्याशी को हरा कर जीता है। यदि इस प्रकार देखा जाये तो झारखंड की डुमरी सीट 'झारखंड मुक्ति मार्चो' के प्रत्याशी ने जीती है जहां उसकी टक्कर भाजपा के प्रत्याशी से हुई थी। केरल की सीट कांग्रेस पार्टी ने सत्तारूढ़ मार्क्सवादी पार्टी के राज्य स्तरीय वाम मोर्चे के उम्मीदवार को हरा कर जीती। उपचुनावों को हम बेशक कोई पैमाना नहीं मान सकते मगर इनसे केवल मतदाताओं के 'मूड' का अन्दाजा जरूर लग सकता है। उप चुनावों में प्रायः सत्तारूढ़ पार्टियों के प्रत्याशियों की विजय भी होती रहती है। इनमें घोसी (उत्तर प्रदेश) की सीट इसलिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है कि देश के इस सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश से होकर ही दिल्ली की गद्दी का रास्ता निकलता है। इस राज्य में लोकसभा की सर्वाधिक 80 सीटें हैं। घोसी पूर्वी उत्तर प्रदेश में है और यह एक जमाने में कम्युनिस्टों का गढ़ भी माना जाता है। 1967 में जब राज्य में पहली बार स्व. चौधरी चरण सिंह के नेतृत्व कांग्रेस विरोधी विपक्षी पार्टियों के विधायकों की संयुक्त विधायक दल (संविद) सरकार गठित हुई थी तो इसमें घोसी से ही भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के तत्कालीन विधायक स्व. झारखंडे राय खाद्यमन्त्री बने थे। यह सीट समाजवादी पार्टी ने इंडिया गठबन्धन के सभी सदस्य दलों के समर्थन से जीती है। सबसे बड़ा सन्देश इस उपचुनाव का यह गया है कि मतदाताओं ने अब पुराने जातिगत समीकरणों से अपना पीछा छुड़ाने का फैसला कर लिया है। क्योंकि घोसी से सपा के उम्मीदवार श्री सुधाकर सिंह एक ठाकुर हैं जबकि भाजपा के प्रत्याशी दारा सिंह चौहान पिछड़ी जाति के माने जाते हैं। इसका मतलब यह भी निकाला जा सकता है कि मतदाता जातिगत दायरा तोड़कर वृहद दायरे में सोचने लगा है। उत्तर प्रदेश को भाजपा का गढ़ और योगी का किला कहा जाता है। यदि यहां इंडिया गठबन्धन के किसी दल के प्रत्याशी की जीत रिकार्ड मतों के अन्तर से होती है तो वह निश्चित ही राजनैतिक दलों के सावधान हो जाने का इशारा करती है। प. बंगाल में ममता दी की पार्टी ने पिछले चुनावों में भाजपा द्वारा जीती गई सीट पर कब्जा किया है मगर त्रिपुरा की दोनों सीटों पर भाजपा ने कब्जा कर लिया है जबकि इस राज्य में भाजपा की ही सरकार है। अतः उपचुनावों के आधार पर किसी निश्चित निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता मगर इतना जरूर कहा जा सकता है कि इंडिया गठबन्धन व भाजपा के एनडीए गठबन्धन के बीच चार व तीन का समीकरण जरूर बैठा है। मगर लोकतन्त्र तो इसे ही कहते हैं जिसमें किसी भी राजनैतिक दल के समर्थक अदलते–बदलते रहते हैं। अतः भाजपा व कांग्रेस दोनों ही इसे अपने–अपने गठबन्धनों की जीत बता रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष :– बुद्धिमत्ता द्वारा हर दिशा में स्वयं को पारंगत सबित करेंगे। भौतिकता की लोलुपतावश दूसरों के चढ़ाने में आकर अपनी आर्थिक क्षति कर सकते हैं।

वृषभ :– अपनी भावुकता पर नियंत्रणरखें। हर रिश्ते में स्वयं के अनुकूल अपेक्षाएं नहीं रखें। माता के स्वास्थ्य के प्रति कुछ अनूठी चिंताएं रहेंगी। व्यावसायिक योजनाएं फलीभूत होती नजर आएंगी।

मिथुन :– भविष्य संबंधित कुछ चिंताएं मन में नकारात्मक विचार ला सकती हैं किंतु कुछ अच्छे आसारों से मन में प्रसन्नता संभव। रोजगार में अच्छे लाभ के आसार हैं। जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।

कर्क :– बीती बातों को भूल वर्तमान के साथ जीना सीखें। भौतिक–सुख साधन में व्यय के आसार हैं। रोजगार में अच्छी आशाएं मन को प्रसन्न रखेंगी। आंतरिक प्रतिभाओं द्वारा संबंधों में प्रभावी बनेंगे।

सिंह :– घरेलू दायित्वों की पूर्ति हेतु केंद्रित होंगे। अंतमर्खी स्वभाव को त्याग बाह्यमुखी बनायें। पूजा–पाठ में पूरा दिन मन केंद्रित होगा। मन में कुछ नयी इच्छाएं बलवती होंगी। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी।

कन्या :– भौतिकता के आधार पर थोड़ा असंतोष हो सकता है। सगे–संबंधों में व्यवहार कुशल बनने का प्रयास करें।

तुला :– दुविधाओं को त्याग सही एवं स्वच्छ योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करें। भावना प्रधान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है। भावनात्मक अपेक्षाएं कष्ट की जननी बनेंगी।

वृश्चिक :– निकट संबंधों में मधुर वाणी का प्रयोग करें। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां मन में आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। कार्यक्षेत्र में लोकप्रियता बढ़ेगी। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में लगेगा।

धनु :– दूसरों की सफलता को देख अपने अंदर हीनता न आने दे। बाहर वालों को समय देने से अच्छा है कि घर में समय देने की चेष्टा करें। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी।

मकर :– भावनाओं पर नियंत्रणरख अपने दायित्वों के प्रति सजग होना प्रगति का सूचक है। अच्छी योजनाओं द्वारा महत्वपूर्ण कायर्रों की समयानुकूल पूर्ति हेतु सक्षम होंगे।

कुंभ :– किसी महत्वपूर्ण दायित्व की पूर्ति हेतु समुचित साधन–व्यवस्था हेतु मन चिंतित होगा।

मीन :– राजनीति से जुड़े लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी किंतु सामाजिक मर्यादा का ध्यान रखें।

चालबाज चीन और एलएसी

प्रेम शर्मा

जी 20 शिखर बैठक से ठीक पहले चीन सरकार ने एक बार फिर नक्शा जारी कर ऐसे कई इलाकों पर अपना अधिकार जताया, जो उसके नहीं हैं। इन इलाकों में भारत का समूचा अरुणाचल प्रदेश और अक्साईचिन तो है ही, साउथ चाइना सी और ताइवान के वे इलाके भी हैं, जिन पर अन्य देश दावा करते हैं। हालांकि चीन ने कोई पहली बार इस तरह का दावा नहीं किया है। चीन पहले भी ऐसे दावे करता रहा है और यह इसकी पुरानी आदत है। भारत विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक कदम आगे बढ़ते हुए यह भी जोड़ा कि ऐसे कदम सीमा से जुड़े सवालों को हल करना और मुश्किल बना सकते हैं। गौर करने की बात है कि अभी–अभी साउथ अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में हुई ब्रिक्स शिखर बैठक के दौरान चीन के प्रयासों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक नहीं हुई। इसके पीछे एक बड़ी वजह यह बताई जाती है कि एलएसी पर दोनों पक्षों के बीच जारी गतिरोध दूर करने की कोशिशें सफल नहीं हुईं और भारत ने पहले से ही स्पष्ट कर रखा है कि सीमा पर गतिरोध दूर करके 2020 से पहले की यथास्थिति बनाए बगैर दोनों देशों के रिश्ते सामान्य नहीं हो सकते। हालांकि मौजूदा विवाद पर चीन की तरफ से कहा जा सकता है कि उसके रुख में किसी तरह का बदलाव नहीं आया है और ताजा मैप के जरिए उसने अपने पुराने स्टैंड को ही बस एक बार और स्पष्ट किया है। लेकिन उसे समझाना होगा कि चाहे इस तरह से मैप जारी करने की बात हो या भारत के अरुणाचल प्रदेश में आने वाले कुछ इलाकों के नाम बदलने का (जैसा कि उसने इसी साल अप्रैल में किया था), इससे माहौल बिगड़ता है और दोनों देशों के रिश्तों में विश्वास बहाली की प्रक्रिया बाधित होती है इतिहास और चीन की हालिया साम्राज्यवादी नीतियों के मद्देनजर यह निष्कर्ष साफ है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा से लगते इलाके में सुरक्षा की कोई भी चूक हमें भारी पड़ सकती है। पिछले दिनों दक्षिण अफ्रीका में संपन्न ब्रिक्स देशों के सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद आस जगी थी कि दोनों देशों के रिश्तों पर जमी बर्फ कुछ कम होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हालांकि शी जिनपिंग के दिल्ली जी–20 शिखर सम्मेलन में न आने की घोषणा से साफ हो गया कि चीन के असली मंसूबे क्या हैं। बहरहाल, चीन की ये अविश्वसनीय नीतियां हमें सचेत रहने के सबक देती हैं। बहरहाल, कूटनीतिक संबंधों में गरमी–नरमी के बावजूद बीजिंग द्वारा एलएसी पर अपने इलाके में लगातार किये जा रहे संरचनात्मक निर्माण के मद्देनजर भारत ने भी अपनी सीमा पर बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के प्रयास तेज कर दिये हैं। इसी कड़ी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 12 सितंबर को वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर सीमा सड़क संगठन अर्थात् बीआरओ द्वारा निर्मित 2941 करोड़ रुपये की लागत वाली 90 परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। इसके अंतर्गत संवेदनशील इलाकों में सड़कें,पुल, सुरंग और हवाई क्षेत्र का निर्माण शामिल है। ये परियोजनाएं सीमावर्ती राज्यों व केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में स्थित हैं। सीमा सुरक्षा की प्राथमिकता के मद्देनजर बीते साल भी राजग सरकार के दौरान 2897 करोड़ रुपये की लागत वाली बीआरओ बुनियादी ढांचा परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की गई थीं। यहां उल्लेखनीय है कि युद्धकाल में इस दुर्गम क्षेत्र में वायु सेना की सक्रियता की जरूरत के मद्देनजर हवाई पट्टी की उपलब्धता अपरिहार्य है। इसके चलते ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस क्षेत्र में एक हवाई पट्टी की आधारशिला भी रखेंगे। उल्लेखनीय है कि बीआरओ द्वारा पूर्वी लद्दाख के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण न्योमा क्षेत्र में 218 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से इस हवाई पट्टी का निर्माण किया जायेगा। जो इस संवेदनशील इलाके की सुरक्षा तैयारियों की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। भारत–चीन के बीच हाल के वर्षों में एलएसी पर हुए टकराव के मद्देनजर उत्तरी सीमा पर भारतीय वायु सेना को शक्तिशाली बनाना बेहद जरूरी है। जिससे वायुसेना तत्परता से युद्ध के दौरान अपनी भूमिका निभा सकेगी। अतीत के अनुभव बताते हैं कि वर्ष 1962 के भारत–चीन युद्ध व कारगिल युद्ध में पाक के खिलाफ समय रहते वायुसेना की ताकत का उपयोग किया जाता तो युद्ध की तस्वीर कुछ और होती। निस्संदेह, हवाई ताकत में विस्तार में किसी भी तरह की देरी राष्ट्रीय सुरक्षा हितों के लिये हानिकारक साबित हो सकती है। चिंताजनक तथ्य यह भी कि अरुणाचल प्रदेश में रणनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण सेला सुरंग का निर्माण कार्य विभिन्न कारणों से समय पर पूरा नहीं हो पाया है। उल्लेखनीय है, सेला सुरंग अग्रिम मोर्चों पर सैनिकों को पहुंचाने और हथियारों की तेजी से आपूर्ति में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। ऐसे में इस महत्वाकांक्षी परियोजना को समय रहते पूरा कर लिया जाना चाहिए। दरअसल, यह सुरंग विकट मौसम में भी सेना को हथियार–रसद आपूर्ति में लाभदायक सिद्ध होगी। उधर बीआरओ के शीर्ष अधिकारी स्वीकार रहे हैं कि सीमा पर बुनियादी ढांचे को विस्तार देने में भारत चीन से पीछे है। वे विश्वास जताते हैं कि इसके बावजूद सैन्य अभियानों को बढ़ावा देने के लिये रणनीतिक परियोजनाओं के त्वरित कार्यान्वयन में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। शीर्ष अधिकारी विश्वास जता रहे हैं कि आगामी तीन–चार वर्षों में भारत अपनी सीमा में ढांचागत निर्माण के क्षेत्र में चीन की बराबरी कर लेगा। इसके बावजूद हम मान लें कि आने वाले वर्षों में बीजिंग वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अपने कदम पीछे नहीं हटाएगा। हालांकि, दोनों ही पक्षों के बीच सैन्य–कूटनीतिक स्तर पर बातचीत की संभावना लगातार बनी रहती है, लेकिन इसके बावजूद चीन की छल–बल की नीति को देखते हुए हम अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं कर सकते। हमें एलएसी पर अपनी सशक्त उपस्थिति को निरंतर बनाये रखना होगा।निस्संदेह, लद्दाख के इस क्षेत्र में हवाई ताकत विस्तार के लिये बुनियादी ढांचे में वृद्धि की सख्त जरूरत है। वैसे भी जी–20 शिखर सम्मेलन से चीनी राष्ट्रपति का कन्नी काट लेना चीन की भारत के प्रति गहरी दुर्भावना को दिखाता है। चीन भारत को एक एशियाई महाशक्ति मानना तो दूर एक महत्वपूर्ण देश के रूप में भी स्वीकार नहीं करना चाहता। वैसे भी भारत के प्रति चीन की दुर्भावना समय–समय पर सामने आती ही रहती है। उसने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में जैश–लश्कर के आतंकियों के विरुद्ध आए प्रस्तावों को पारित नहीं होने दिया। जब भारत–अमेरिका परमाणु समझौते के फलस्वरूप भारत को परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह से छूट मिलने का प्रस्ताव आया, तब भी चीन ने रोड़े अटकाए थे। रूसी नौसेना दक्षिण चीन सागर और जापान सागर में चीनी नौसेना की पिछलग्गू बनकर गश्त कर रही है। इससे एशिया में शक्ति संतुलन चीन की ओर झुक रहा है और क्वाड के देशों और खासकर जापान एवं भारत के लिए चुनौतियां बढ़ रही हैं। ऐसे में भारत को अमेरिका और जी–20 में शामिल दूसरे पश्चिमी देशों से यह प्रश्न करना चाहिए था कि कमजोर हो चुका रूस बड़ा खतरा है या विस्तारवादी चीन? बहरहाल भारत ने चीन पर पूर्वी लद्दाख में अपनी आक्रामक सैन्य मुद्रा के माध्यम से 3,488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर युद्ध जैसी स्थिति पैदा करने की कोशिश करके द्विपक्षीय संबंधों को 1990 के दशक में वापस लाने का आरोप लगा चुका है। यह कहने से कुछ ही समय पहले कि शी जिनपिंग, जो पीएलए के प्रमुख कमांडर भी हैं, ने 1993 के शांति समझौते को सचमुच तार–तार कर दिया था, मोदी सरकार ने द्विपक्षीय संबंधों पर गंभीर परिणामों के साथ उन्हें एक राजनयिक अल्टीमेटम दिया है। नरसिम्हा राव–जियांग जेमिन युग के दौरान हस्ताक्षरित 1993 का समझौता यह स्पष्ट करता है कि सैन्य बलों को एलएसी पर न्यूनतम स्तर पर रखना होगा। भारत की तरह से स्पष्ट कहा जा चुका है कि अगर चीन ने तनाव कम नहीं किया और एलएसी से पीएलए बलों को पीछे नहीं हटाया तो पिछले तीन दशकों में द्विपक्षीय संबंधों में हासिल किए गए सभी लाभ खो जाएंगे। "भारत एलएसी पर सैन्य स्थिति से निपटने में काफी सक्षम है, लेकिन अगर पीएलए ने तनाव कम नहीं किया तो पूरे आर्थिक संबंध खराब हो जाएंगे। अगर यही स्थिति जारी रही तो चीन के लिए सब कुछ सामान्य नहीं हो सकता। यह निर्णय महासचिव शी जिनपिंग को लेना है। एलएसी पर चीनी रुख आक्रामक बना हुआ है, द्विपक्षीय संबंधों पर घड़ी टिक–टिक कर रही है क्योंकि भारत ने मन बना लिया है कि अगर कुछ हफ्तों के भीतर विघटन नहीं हुआ तो वह बीजिंग के लिए आर्थिक दरवाजा बंद कर देगा।

डा. अंबेडकर, सनातन धर्म एवं दलित राजनीति

एस आर दारापुरी

इस समय पूरे देश में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के बेटे उदयनिधी स्टालिन द्वारा सनातन धर्म के बारे में एक सभा में की गई टिप्पणी पर चर्चा चल रही है। इसमें उसने सनातन धर्म में व्याप्त जातिगत भेदभाव एवं ऊँच नीच की व्यवस्था की आलोचना करते हुए इसकी तुलना एक व्याधि से की है तथा उसे खत्म करने की बात कही है। भाजपा ने इसे सनातन धर्म पर हमला तथा 80% हिंदुओं के नर संहार के आवाहन के रूप में प्रचारित किया है। इसी को लेकर उसने विपक्ष के गठबंधन 'इंडिया' को भी सनातन धर्म विरोधी कहा है।

ऐसा प्रतीत होता है कि वर्तमान में तमिलनाडु में डीएमके तथा उत्तर भारत में बीजेपी सनातन धर्म के नाम पर राजनीति की शुरुआत करने जा रहे हैं। दक्षिण भारत में तो पहले से ही सनातन धर्म विरोधी द्रविड आंदोलन एक मुखर आंदोलन रहा है जिसके माध्यम से पेरियार ने पिछड़ी जातियों को लामबंद किया था और सनातनी ब्राह्मणों को वहाँ से खदेड़ दिया था। लगता है कि पिछड़ी जातियों की राजनीति का जो राष्ट्रीय स्तर पर पराभव हुआ है उसे ही पुनर्जीवित करने के लिए उदयनिधि की यह बयानबाजी है। मालूम हो कि पिछले दिनों उदयनिधि के पिता एम के स्टालिन, वर्तमान मुख्यमंत्री तमिलनाडु, सामाजिक न्याय की राजनीति की लामबंदी करने के लिए इस तरह की कोशिश करते रहे हैं। उसी कड़ी में डीएमके का

यह अगला कदम है। इसी प्रकार भाजपा भी जो पहले ही धर्म की राजनीति करती रही है, सनातन धर्म के विरोध पर कड़ी प्रतिक्रिया दिखा कर सनातनी हिंदुओं को धर्म खतरे में हैं, का भय दिखा कर हिन्दू वोट के ध्रुवीकरण को तेज करना चाहती है।वास्तव में द्रविड़ पहचान तथा हिन्दू पहचान की यह राजनीति इन दोनों पार्टियों की पुरानी राजनीति का प्रमुख हिस्सा है। तमिलनाडु में भी ब्राह्मण विरोधी आंदोलन जाति तोड़ो आंदोलन न हो कर केवल पिछड़ी जातियों के वर्चस्व की स्थापना का ही आंदोलन रहा है। वर्तमान में वहाँ पर दलितों पर पिछड़ी जातियों द्वारा ही सबसे अधिक अत्याचार होते आ रहे हैं। उनके साथ जबरदस्त जातिभेद होता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि इन जातियों का ब्राह्मण (सनातन धर्म) विरोध केवल सत्ता पाने का आंदोलन रहा है न कि जाति उन्मूलन का। इसी लिए डा. अंबेडकर ने इनके ब्राह्मण विरोधी आंदोलन की आलोचना करते हुए कहा था, "यह स्पष्ट नहीं है कि इनकी विचारधारा और ब्राह्मणवादी विचारधारा में क्या अंतर है। इनमें स्वयं में कितना ब्राह्मणवाद है। उन्हें केवल एक आपत्ति है कि ब्राह्मण उन्हें दूसरे दर्जे का मानते हैं।" ("Dr- Ambekar on the Justice Party of Madrasß Thus Spoke Ambedkar Vol I] by Bhagwan Das पृष्ठ 107–109) इसी लिए तमिलनाडु में सत्ता ब्राह्मणों की बजाए गैर ब्राह्मणों के हाथों में तो आ गई परंतु सामाजिक व्यवस्था खास करके दलित जातियों की स्थिति में कोई अंतर नहीं आया। उन्होंने किसी वैकल्पिक गैर ब्राह्मणवादी विचारधाराध्व्यवस्था का सृजन भी नहीं किया है। उत्तर भारत में सनातन धर्म सदियों से जातिभेद एवं ऊंच–नीच की व्यवस्था का प्रतिपादक रहा है और आज भी उसी सनातनी व्यवस्था को बनाए रखने का पक्षधर है। आरएसएस समरसता के फार्मूले से इस व्यवस्था को यथावत बनाए रखने का उपदेश देता है। यह सर्वविदित है कि डा. अंबेडकर ने सनातन धर्म, ब्राह्मण धर्म, वैदिक धर्म तथा हिन्दू धर्म को एक दूसरे का पर्याय कहा है। उन्होंने यह भी कहा था, "जिस किसी ने ब्राह्मणवाद को भलीभाँति समझ लिया है, उसे दुखी होने की जरूरत नहीं है। ब्राह्मणवाद के लिए धर्म तो लोभ और स्वार्थ की राजनीति करने के लिए एकमात्र आवरण मात्र हैं। ब्राह्मणवाद ने हिन्दू समाज को बर्बाद किया है।" (प्राचीन भारत में क्रांति और प्रतिक्रांति, पृ. 247) इसी लिए डा. अंबेडकर सनातन धर्म द्वारा प्रतिपादित जाति व्यवस्था के नाश के पक्षधर थे न कि सनातन धर्म के। इसके लिए उन्होंने हिन्दू समाज सुधार हेतु अछूतों के प्रयोग के लिए महाड़ तालाब आंदोलन तथा उनके लिए काले राम मंदिर प्रवेश आंदोलन चलाया था परंतु सनातनी हिंदुओं के कड़े विरोध के कारण उन्हें इसमें कोई सफलता नहीं मिली। अंततः इससे मायूस हो कर उन्होंने हिन्दू धर्म त्याग कर बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया। उन्होंने न केवल बौद्ध धर्म को एक विकल्प के रूप में दिया बल्कि वैकल्पिक राजनीति का सृजन भी किया। इसके लिए उन द्वारा बनाई गई स्वतंत्र मजदूर पार्टी, शैड्यूल्ड कास्ट्स फेडरेशन तथा रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया का क्रांतिकारी एजंडा भी था जिसके द्वारा वे दलितों, मजदूरों, किसानों तथा महिलाओं के आर्थिक, शैक्षिक एवं राजनैतिक विकास को सुनिश्चित करना चाहते थे। परंतु डीएमके तथा भाजपा के आर्थिक एजंडे में क्या अंतर है? क्या डीएमके का जाति उन्मूलन का कोई कार्यक्रम है? अतः क्या सनातन धर्म के तथाकथित रक्षकों एवं पैरोकारों को धर्म के नाम पर राजनीति करने की बजाए सनातन धर्म में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों जैसे जाति व्यवस्था के उन्मूलन हेतु आगे नहीं आना चाहिए जैसाकि गांधीजी ने किया था? परंतु आरएसएसध्भाजपा का ऐसा करने का कोई इरादा दिखाई नहीं देता और न ही डीएमके का।

उपरोक्त स्थिति में जब डीएमके सनातन धर्म के विरोध तथा भाजपा उसकी रक्षा करने के नाम पर केवल धार्मिक ध्रुवीकरण की राजनीति कर रहे हैं और जनता के असली मुद्दों से ध्यान हटा रहे हैं तो धर्मनिरपेक्ष जनपक्षीय राजनीति करने वाली राजनीतिक पार्टियों को क्या करना चाहिए? ऐसे में जरूरी है कि इन राजनीतिक पार्टियों को देश की राजनीति के सामने खड़े प्रमुख खतरों एवं चुनौतियों को राजनीति के केंद्र में लाना चाहिए।

भारतीय संस्कृति और संस्कारों को को भ्रमित करती पश्चात जीवन शैली

संजीव ठाकुर

अंग्रेजों के आने के पूर्व भारतीय संस्कृति धार्मिक, आध्यात्मिक, परंपरावादी, भाग्यवादी रही है। अंग्रेजों के भारत आने के बाद और उनके संपर्क में रहने से भारतीय जीवन का स्वरूप काफी हद तक परिवर्तित एवं बदले हुए स्वरूप में आया था। धार्मिकता आध्यात्मिकता तथा त्याग व ममता को व्यापक भौतिकवादी दृष्टिकोण से काफी नुकसान पहुंचा है। पश्चात विचारधारा के संपर्क में आने से परंपराओं के प्रति मोह धीरे–धीरे कम होने लगा एवं नई वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाली सोच के कारण भाग्य वाद के प्रति आस्था उत्पन्न होने लगी। इसके अतिरिक्त भारतीय दर्शन के आंतरिक गुणों आदर्श नैतिकता,बुद्धि आदि में भी आमूलचूल परिवर्तन हुए हैं। और इन घटकों पर नवीन शिक्षा पद्धति का व्यापक प्रभाव पड़ा है। अंग्रेज भारत को ऐसा वर्ग विशेष बनाना चाहते थे, जो जन्म और रंग से तो पूर्वी हों, पर अन्य सभी दृष्टिकोण से सब अंग्रेज बने रहें। भारत का उच्च वर्ग या अमीर तबका, राजा, महाराजा,नवाब धीरे–धीरे अंग्रेजी शिक्षा के गुलाम होते चले गए,और पाश्चात्य संस्कृति की ओर झुकते गए। भारतीय संस्कृति को विस्मृत करने में यही उच्च वर्ग या अमीर लोग काफी हद तक जिम्मेदार है। यह लोग अंग्रेजियत की नकल करने लगे,तथा भारतीय समाज धर्म दर्शन में इनकी कोई रूचि अविश्वास नहीं रहने लगा था। और इनकी नकल में इनके मातहत, सिपहसालार भी उसी रंग में डूबने लगे थे। धीरे धीरे पश्चिमी सभ्यता ने भारतीय संस्कृति पर अपना व्यापक प्रभाव डालना शुरू कर दिया था। पश्चिमी संस्कृति का वृहद अध्ययन करने वाले भारतीय विद्वानों ने पश्चिम की ओर इस अंधे आकर्षण का खुलकर विरोध भी किया था। इन्हीं विद्वानों ने भारतीय जनमानस को अपनी शक्ति और धर्म में विश्वास करने की प्रेरणा देकर उनका मार्गदर्शन किया था। तत्पश्चात भारतीय शोधकर्ताओं ने पश्चिम सभ्यता तथा उसकी शिक्षा का व्यापक परीक्षण शुरू कर दिया था। और इन्हीं शोधकर्ताओं और विद्वानों की अथक मेहनत से प्राचीन परंपराओं में सर्वश्रेष्ठ का चयन कर एवं पाश्चात्य दर्शन की श्रेष्ठ धाराणओं को मिलाकर एक नए दर्शन को समाज के सामने प्रस्तुत किया था। भारतीय विद्वानों, शोधकर्ताओं एवं विचारकों ने प्राचीन भारतीय कुप्रथा जैसे छुआछूत, पर्दा प्रथा,बहु विवाह, बाल विवाह, देवदासी प्रथा एवं महिला शिक्षा, तथा निरक्षरता के विरोध में अभियान चलाकर सामाजिक चेतना का आह्वान किया था। पर पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में आकर भारतीय समाज में नैतिक विचारों में परिवर्तन की शुरुआत हुई। इस परिवर्तन के साथ भारतीय जनमानस के रहन–सहन खानपान, वेशभूषा,विवाह समारोह, आचार विचार, शिष्टाचार तथा व्यवहार में पाश्चात्य शिक्षा की झलक दिखाई देने लगी। जाति प्रथा के कठोर नियम ढीले पड़ने लगे। बाल विवाह प्रथा में बेहद कमी आने लगी। पश्चात दर्शन ने भारतीय संस्कृति में जीवंत एवं चरित्र को एक नया बदलाव दिया था। पाश्चात्य संस्कृति में धीरे–धीरे भारतीय रहन–सहन रीति–रिवाज प्रथाओं को प्रभावित किया।

ड्रेसिंग सेंस, खान पान,बोलने चालने तथा अभिवादन के तरीकों में बड़े परिवर्तन हुए। वेस्टर्न पद्धति से संस्कृति शिक्षा विचारधाराओं ने भारत को दुनिया के राष्ट्रीय जीवन के संपर्क में ला खड़ा किया था। देश के अंदर विभिन्न अलग–अलग विचारधाराओं के समूहों को एक सांस्कृतिक समानता के मंच पर लाकर खड़ा किया। और इसी सांस्कृतिक समानता ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एकता और राष्ट्रीयता की नई मिसाल स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए प्रदान की थी। विहंगम दृष्टिकोण से देखा जाए तो पाश्चात्य दर्शन ने भारतीय परंपरा रीति रिवाज में महत्वपूर्ण सुधार लाने की एक नई पहल की थी। प्राचीन परंपराओं के फल स्वरूप भारतीय जनमानस को रीति–रिवाजों एवं पाखंडी पन ने जीवन में जंजीर बनकर जकड़ रखा था। संस्कृति तथा कुप्रथाओं ने स्वतंत्र विचारों को मस्तिष्क में ही कैद कर लिया था।एवं आमजन का जीना मुश्किल हो गया था। प्रभाव तथा कुरीतियों से सबसे ज्यादा सजा महिलाएं बालिकाएं तथा बच्चों को ही मिल रही थी। पाश्चात्य शिक्षा तथा दर्शन ने शिक्षा धर्म तथा आदर्शों के मूल्यों में सुधार लाने का महत्वपूर्ण कार्य किया था। पाश्चात्य शिक्षा से अंधविश्वास के बदले बुद्धि विवेक और तर्क ने वैज्ञानिक विचारधारा के हिसाब से जीवन यापन करने की पद्धति से अवगत कराया था। पाश्चात्य शिक्षा तथा दर्शन के कारण ही भारत में ईसाई धर्म समाज की स्थापना हो चुकी थी। ईसाइयत का भारत में जन्म अंग्रेजों के आने के बाद ही हुआ था। पाश्चात्य सभ्यता एवं शिक्षा से भारतीय महिलाओं पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ा। उनकी शिक्षा–दीक्षा रहन सहन तथा व्यवहार में काफी परिवर्तन आया था तथा भारतीय महिलाओं ने खुली हवा में सांस लेने के अवसर भी तलाशना शुरू कर दिया था। और आज भारत में महिलाएं कंधे से कंधा मिलाकर पुरुषों के साथ हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं। भारतीय जनमानस में पाश्चात्य सभ्यता का बहुत ज्यादा प्रभाव पड़ा ।जीवन में विकास भी हुआ, और नागरिकों को नए वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी साक्षात्कार हुआ। पर इसके साथ पाचल सभ्यता ने भारत को बहुत सारी विकृतियां भी प्रदान की है। जैसे स्त्रियों का खुलापन, नशे की खुली लत एवं महिलाओं तथा पुरुषों का वासनायुक्त खुला व्यवहार, अशोभनीय स्तर पर आ गया है। नशे की अधिकता,महिलाओं के खुले व्यवहार को देखकर आने वाली पीढ़ी की नैतिक शिक्षा में बहुत ज्यादा प्रभाव पड़ने वाला है। इसमें भारतीय शिक्षा पद्धति में भारतीय संस्कृति के दर्शन के अध्यापन की भी महती आवश्यकता है।

कायस्थ समाज लोग संगठन को मजबूत बनाने में अपनी सहभागिता निभाये : डॉ इन्द्रसेन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा द्वारा प्रदेश कोर कमेटी की वर्चुअल मीटिंग प्रदेश अध्यक्ष डा. इंद्रसेन श्रीवास्तव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। संचालन प्रदेश महामंत्री श्याम चन्द्र श्रीवास्तव ने किया।सभी पदाधिकारियों ने अपने अपने विचार व्यक्त करते हुए सभी ने संगठन को गति देने की बात किया। प्रदेश अध्यक्ष कहा कि वर्तमान समय में का समाज तेजी से एकजुट हो रहा है इसे और भी तेजी के साथ पूरे देश–विदेश में फैले कायस्थों को एकजुट करने की आवश्यकता है । जिससे अन्य समाज के लोगों को हमारी एकता का एहसास हो सके । हम सभी लोगों से यह अपेक्षा करते हैं कि लोग संगठन को मजबूत बनाने में अपनी सहभागिता निभाएंगे और संगठन को मजबूत बनाएंगे और एक दूसरे के सुख–दुख में खड़े होकर उन्हें मजबूती प्रदान करेंगे ।प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि अभाकाम लखनऊ जिले की इसी माह में नव नियुक्त पदाधिकारियों का पदभार ग्रहण समारोह आयोजित करेगा।

बैठक में वरिष्ठ पदाधिकारी प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष बरेली से वेदप्रकाश श्रीवास्तव मध्य संभाग के कार्यवाहक अध्यक्ष संतोष निगम ,

महामंत्री श्याम चन्द्र श्रीवास्तव प्रदेश महिला अध्यक्षा श्रीमती रीतू खरे , कोषाध्यक्ष आमोद श्रीवास्तव ,प्रदेश उपाध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव ,प्रदेश सचिव नकुल श्रीवास्तव, प्रदेश युवा अध्यक्ष गौरव सक्सेना जी ,लखनऊ जिला अध्यक्ष प्रभात श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे ।अंत मे प्रदेश महामंत्री ने सभी के प्रति आभार जताया । उक्त आशय की जानकारी प्रदेश प्रवक्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से दिया गया।

खंड विकास अधिकारी की तहरीर पर रोजगार सेवक एकाउंटेंट समेत आठ लोगों के विरुद्ध गंभीर धाराओ में रिपोर्ट दर्ज

अयोध्या। बीते अगस्त माह में मसौधा ब्लॉक के अंतर्गत मोइद्दीनपुर गांव में 4 पशु शेड एवम 4 ह्यूम पाइप जो मनरेगा योजना के अंतर्गत बिना कार्य किय 413000 रुपये निकल गए थे। जिसको लेकर ग्राम प्रधान मोइद्दीनपुर ने खण्ड विकास अधिकारी मसौधा को सूचना दी ।खंड विकास अधिकारी ने इसकी सूचना उच्च अधिकारियों को दी जिस पर उच्च अधिकारियों के निर्देश पर एक जांच कमेटी बनाकर जांच रिपोर्ट शासन को भेजी गयीं ।वही शासन के निर्देश पर दोषियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने की बात कही गयी ।जिस पर खंड विकास अधिकारी मसौधा रशेष गुप्ता ने तहरीर देकर 8 रोजगार सेवक समेत 8 के विरुद्ध गंभीर धाराओ में रिपोर्ट दर्ज कराई खंड विकाश अधिकारी मसौधा ने पूराकलंदर पुलिस तहरीर देकर यह रिपोर्ट दर्ज कराई की मोइनुद्दीन पुर ग्राम में मनरेगा योजना के तहत बिना कार्य कराए रोजगार सेवक महेश कुमार एवं विकाश खंड मसौधा के अन्य कर्मचारी की मिलीभगत से फर्जी अभिलेख लगाकर बिना सत्यापन 413000 रुपये श्री सत्य साईं इंटरप्राइजेज के खाते में भेज दिया गया ।जब इसकी पूछताछ सत्य साई इंटरप्राइज के प्रोपराइटर से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि उनके बिल रोजगार सेवक मोइनुद्दीनपुर महेश कुमार ने चोरी करके गलत तरीके से उनके खाते में भुगतान करा दिया है ।जिसके भुगतान के संदर्भ में उनके द्वारा कोई कार्य नही किया गया है और सत्य श्री साई मालिक द्वारा मनरेगा के खाते में 413000 की धनराशि वापस भेज दी गई।

वही खंड विकाश अधिकारी मसौधा रशेष कुमार गुप्ता ने तहरीर के माध्यम से बताया कि बीते वर्ष भी पशु शेड एवं ह्यूम पाइप के नाम भी पूर्व सचिव शालिनी वर्मा ने भी गलत तरीके से उसी योजना पर बिना कार्य के मनरेगा हाजिरी लगवा कर भुगतान करवाया था जो जांच में फर्जी पाया गया था जिसके लिए पूर्व सचिव शालिनी वर्मा को नोटिस भी जारी की गई जिसपर अभी तक कोई जबाब नही दिया गया है जिसको लेकर खंड विकाश अधिकारी रशेष गुप्ता की तहरीर और शासन के आदेस एवम जांच आख्या के आधार पर पूराकलंदर पुलिस ने मसौधा ब्लॉक के मोइद्दीनपुर गाव के रोजगार सेवक महेश कुमार,पूर्व सचिव सालिनी वर्मा,अकॉउंटेंट अतहर सिद्दकी ,कम्प्यूटर ऑपरेटर सत्यप्रकाश ,उदय सिंह एवम अन्य समेत 8 आठ लोगों के घखिलाफ तहत रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

वही वर्तमान सचिव राहुल पांडेय ने बताया कि पूर्व सचिव द्वारा उनकी कोई चार्ज नही दिया है कई बार चार्ज देने के लिए मौखिक रुप से बताया गया लेकिन पूर्व सचिव द्वारा चार्ज नही दिया गया।

दरोगा की पी-कैप बनी अपराधियों का सुरक्षा कवच

-कार में आगे दरोगा की पी-कैप रख अपराधी देते है पुलिस को चकमा-

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। जिस प्रकार कार में आगे रखी माइक आईडी से पता चल जाता है कि कार किसी चौनल के पत्रकार की है। उसी तरह कार में आगे डैशबोर्ड पर दरोगा या इन्स्पेक्टर की पी–कैप रखी देख कर अंदाजा होता है कि कार में कोई पुलिस अधिकारी बैठा है। इसी बात का फायदा अब आपराधिक प्रवृत्ति के लोग उठा रहे है। कार में आगे पुलिस की पी–कैप रखकर वे किसी भी चेकिंग होने पर आसानी से निकल जाते है। पुलिस भी उनको अपना ही अधिकारी समझ कर रोकती नहीं है। अक्सर ऐसी गाड़ियों को पुलिस बिना चेक किये जाने देती है! एक जनपद से दूसरे जनपद जाने पर टोल टैक्स बचाने के लिये भी टोल बूथ पर यही हथकंडा अपनाया जाता है।

घर में एक दरोगा होने पर पूरा खानदान उठाता है पी–कैप का फायदा–

वास्तव में संबंधित पुलिस अधिकारी के घर–परिवार के सदस्य, नातेदार–रिश्तेदार, दोस्त–यार कार में आगे में पीकैप रखकर टोल टैक्स या किसी भी तरह की पुलिस चेकिंग से बचने के लिए करते है और आसानी से पुलिस को चकमा देकर निकल जाते है। यही देखकर अब आपराधिक लोग भी कार में आगे पी–कैप रखकर पुलिस को चमका देकर आसानी से बच निकलते है।

धारा–188 के अंर्तगत गंभीर अपराध है–

दरअसल इस तरह के मामले गंभीर होने के साथ चेतावनी भी दे रहे हे। यह मामला आईपीसी की धारा–288 के अर्न्तगत एक गंभीर अपराध की श्रेणी में भी आता है। मामले का खुलासा तब हुआ जब चारबाग में ट्रैफिक पुलिस ने पुलिस की पी–कैप आगे रखी तीन कारों का चालान डायरेक्शन टू लॉ धारा–179 के तहत किया। ये कारे बाहरी जनपद सीतापुर, कानपुर व बरेली की थी। पकड़े जाने पर किसी ने खुद को दरोगा का रिश्तेदार बताया तो किसी ने कहा कि दरोगा जी मेरे दोस्त है। यही नही एक कार पर पुलिस का हूटर भी लगा पाया गया। यह फर्जी कार्य उन्होने कुछ रूपयों का टोल टैक्स बचाने के लिये किया।

पुलिस व सेना के सामानों की बिक्री पर प्रशासन लगाये प्रतिबन्ध–

खुले बाजार में सेना व पुलिस की वर्दी, कैप आसानी से उपलब्ध होती है। जो कोई भी आसानी से खरीद कर उसका दुरूपयोग कर सकता है। चारबाग से लेकर सदर कैंट व तोपखाना आदि इलाकों में सेना व पुलिस से संबधित सामानों के कई दुकानें है। जिन पर ये सर्वसुलभ है। प्रशासन को यह देखना चाहिये कि इस तरह के सामान की बिक्री सही लोगों को ही हो। साथ ही दुकानदार को भी परिचय पत्र देखकर ही इस तरह के सामानों की बिक्री करे। रसीद पर संबंधित सामान क्रय करने वाले का चेस्ट नंबर, थाना, जनपद आदि भी अंकित करे। जिला प्रशासन यह नियम सख्ती से लागू करने के लिये दुकानदारों को निर्देशित करें। समय–समय पर पुलिस भी दुकानदारों के बिक्री रिकार्ड को चेक करती रहे।

चतुर्वेदी संदेश पत्रिका का विमोचन

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ । रविवार 10 सितंम्बर को श्री माथुर चतुर्वेदी मंडल लखनऊ की आमसभा में मासिक पत्र चतुर्वेदी संदेश का विमोचन मेजर जनरल अजय चतुर्वेदी, डॉ अरविंद चतुर्वेदी, आई पी एस ने किया। समारोह की शुरुआत प्रसिद्ध गायक किशोर चतुर्वेदी की गणेश वंदना से हुई। समारोह में मंडल के संरक्षक गण महेश जी, शैल जी,पुत्तन जी, विपिन जी के साथ ही गणेश जी, पंकज जी, सौरभ जी ने अपने विचार व्यक्त किए। मंडल के अध्यक्ष अजय जी एवं मंत्री नमन जी ने सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। श्रीमती तनूजा, श्रीमती बबीता, श्रीमती अमिता के अलावा पदम जी,नवीन जी,राजीव जी, ललित जी ,विनय जी, सुबोध जी, शिशिर जी ने भी सामाजिक गतिविधियों पर अपने विचार व्यक्त किए ।समारोह का संचालन पत्र के संपादक दिलीप सिकंदरपुरिया ने किया। समारोह के मेजबान प्रवेश जी का परिवार बना।

लखनऊ पब्लिक कॉलेज सहारा स्टेट्स ने मनाया एनुअल डे

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ पब्लिक कॉलेज, सहारा स्टेट्स ने आज अपना एनुअल डे बड़े धूमधाम से एलपीसी गोमतीनगर के प्रेक्षागृह में मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि वरिष्ठ आई.ए.एस., जी. बी. पटनायक

(सेवानिवृत्त), डायरेक्टसर्रू नेहा सिंह, हर्षित सिंह व उपनिदेशक–प्रधानाचार्या मीना टांगड़ी ने मेधावियों को सम्मानित किया। निदेशक हर्षित सिंह ने अपने भाषण के माध्यम से मानव मूल्यों को जीवन में उतारने की बात कही। कार्यक्रम में लेखक सुभाष भल्ला, अनीता चौधरी, डॉ रितु सिंह, अभिभावक व बच्चे उपस्थित रहे।

वैष्णव खण्ड, गोमतीनगर विस्तार में जलभराव से नागरिक घरों में कैद

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ – वैष्णव खण्ड, सेक्टर 6, गोमतीनगर विस्तार में जलभराव से नागरिक घरों में कैद होकर रह गए हैं। लखनऊ विकास प्राधिकरण के द्वारा इस क्षेत्र की नालियों को नाले से न जोड़ने के कारण यहां जलभराव होता रहता है। भारी बरसात होने के कारण वैष्णव खण्ड की सड़कों पर पानी भर गया है तथा लोगों के घरों में भी पानी भर रहा है।

सेक्टर 6, गोमतीनगर विस्तार में लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा नाले का निर्माण कराया जा रहा है परन्तु मेला ग्राउंड के पास अधूरे बने नाले के कारण जलभराव की समस्या लगातार बनी हुई है। इस सम्बन्ध में वैष्णव खण्ड जनकल्याण समिति तथा मानवाधिकार जनसेवा परिषद के द्वारा लगातार प्रयास किए जाने के पश्चात भी जलभराव की समस्या के निदान हेतु लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई है और नागरिक अपने घरों में कैद होकर रह गए हैं। मानवाधिकार जनसेवा परिषद के अध्यक्ष रूप कुमार शर्मा ने नगर निगम से पानी की निकासी तथा लखनऊ विकास प्राधिकरण से अधूरे बने नाले का निर्माण अविलम्ब कराने हेतु मांग की है।

एच के यादव ने सम्भाला अयोध्या मण्डल के प्रवर अधीक्षक डाकघर का कार्यभार।

अयोध्या। नए प्रवर अधीक्षक डाकघर अयोध्या मण्डल का कार्यभार एच के यादव ने ग्रहण किया द्य श्री यादव इससे पूर्व डिप्टी सुपरिटेंडेंट लखनऊ मण्डल, चीफ पोस्टमास्टर जनरल के सहायक निदेशक (वैयक्तिक), अधीक्षक सीतापुर, अधीक्षक डाक वस्तु भण्डार लखनऊ, सहायक निदेशक प्रशासन राकांपा गाजियाबाद के पदों पर अपनी सेवाएँ दे चुके है श्री यादव चीफ पोस्टमास्टर जनरल लखनऊ कार्यालय में सहायक निदेशक विधिक के पद से अयोध्या मण्डल का प्रभार सम्भाला है द्य इससे पहले 31 अगस्त को पी के सिंह के सेवानिवृत्त होने के बाद लखनऊ मण्डल के प्रवर अधीक्षक को सयुंक्त प्रभार दिया गया था ।

प्रवर अधीक्षक डाकघर श्री यादव ने कहा कि जनता की सेवा करते हुए विभागीय योजनाओं का लक्ष्य पूरा करना ही सर्वोच्च प्राथमिकता है । और श्री यादव ने कहा कि सभी कर्मचारी अभी से ही इस वित्तीय वर्ष के लिए अपने क्षेत्र के जनता की सूची बनाकर दिए गये लक्ष्यों की पूर्ति के लिए शतत प्रयास करें । सीनियर पोस्टमास्टर राजेन्द्र सिंह, सहायक अधीक्षक अनिल दूबे, ओमेश्वर सिंह, निरीक्षक राजेश्वर दूबे, हिमांशु शुक्ला, सत्येन्द्र प्रताप सिंह, राघवेन्द्र सिंह, धीरेंद्र दूबे, हिमान्शु कनौजिया आदि दर्जनों कर्मचारियों ने पुष्प गुच्छ भेंटकर नये प्रवर अधीक्षक डाकघर का स्वागत करते हुए खुशी व्यक्त किया ।

टीचर के टॉर्चर से परेशान छात्र ने दी जान

संवाददाता/लखनऊ। लखनऊ में एक 24 साल के छात्र ने घर में फांसी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। परिजनों का आरोप है कि कॉलेज के टीचर वाइबा और अतिरिक्त फाइल बनाने का दवाब बना रहे थे। इसकी वजह से बेटे ने यह कदम उठाया। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

प्रो (डॉ) प्रकाश वी दीवान बने फार्मेसिस्ट फेडरेशन के सलाहकार

'फार्मेसी को देश का ब्रांड बनाने का लक्ष्य'- प्रो दीवान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ, नाइपर हैदराबाद के संस्थापक निदेशक, FSSSI भारत सरकार के एक्सपर्ट मेंबर, सदस्य बोर्ड ऑफ गवर्नर

एनडीटीएल भारत सरकार अब फार्मेसिस्ट फेडरेशन के सलाहकार के रूप में अपनी विशिष्ट सेवा प्रदान करेंगे । उन्होंने फार्मेसी को ब्रांड बनाने के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया है ।

फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव, वैज्ञानिक विंग के चेयरमैन डॉ हरलोकेश ने इसे फार्मेसी संवर्ग के लिए अत्यंत उत्साहवर्धक बताया और प्रो दीवान को बधाई दी है ।

प्रो दीवान इंडियन फार्माकोपोपिया के तकनीकी सलाहकार हैं, आईआईसीटी हैदराबाद के कंसल्टेंट, निदेशक ग्रेड के वैज्ञानिक सहित अनेक अत्यंत विशिष्ट पदों को सुशोभित कर चुके हैं ।

प्रो हरलोकेश ने बताया कि फार्माकोलॉजी के विशेषज्ञ के रूप में प्रो दीवान संवर्ग के युवा फार्मेसिस्ट साथियों के लिए नई दिशा और दशा तय करेंगे ।

देश में फार्मेसी शिक्षा के विकास , रोजगार में वृद्धि , तकनीकी विकास के लिए फेडरेशन सदैव तत्पर है । प्रो दीवान के साथ ही देश के अन्य विशिष्ट फार्मा विशेषज्ञ भी फेडरेशन से जुड़कर अपना विशिष्ट योगदान दे रहे हैं ।

संयोजक के के सचान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जे पी नायक, महामंत्री अशोक कुमार,अखिल सिंह, सुभाष श्रीवास्तव, जी सी दुबे, रिटायर विंग के अध्यक्ष जय सिंह सचान, आर आर चौधरी, हरद्वारी लाल राज, यूथ विंग के अध्यक्ष आदेश कृष्ण, धीरेंद्र, राजनाथ, अनिल दुबे, अफजल आदि पदाधिकारियों ने भी खुशी जाहिर करते हुए इसे गर्व का क्षण बताया है ।

प्रो हरलोकेश ने बताया कि साइंटिफिक कमेटी लगातार फार्मा प्रोफेशनल को अपडेट करेगी, रिफ्रेशर कोर्स, सेमिनार आदि के माध्यम से देश में फार्मेसी को उन्नयन तक पहुंचाना हमारा उद्देश्य है ।

प्रो हरलोकेश
चेयरमैन
फार्मेसिस्ट फेडरेशन साइंटिफिक विंग।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में कुल 1366 मरीजों ने कराया निःशुल्क इलाज

अयोध्या। रविवार को सभी 34 पीएचसी केन्द्रों पर मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। जिसमें 79 चिकित्सकों व 268 पैरा मेडिकल कर्मी ने वहां पर आने वाले मरीजों को निरूशुल्क इलाज कराया।इस मेले में कुल 1366 पुरुष, महिला व बच्चों ने निःशुल्क चिकित्सा का लाभ लिया।इस मौके पर 600 पुरुष मरीज,535 महिला मरीज,231 बच्चे मरीज आये।मेले में कुल 16 आयुष्मान कार्ड बने। 268 मरीजों का हेल्प डेस्क पर स्क्रीन हुआ।वही 24 मरीजों का कोविड टेस्ट 24 हुआ जिसमें कोई भी मरीज कोविड

पाजिटिव नहीं मिला।वही आंख के मरीज 20,बुखार के मरीज 84,सांस के मरीज 54, पेट के मरीज 127, शुगर के मरीज 103, चर्म रोग के मरीज 137, टीबी के सस्पेक्टेड मरीज 10, एनीमिया के 23, उच्च रक्तचाप के 17, प्रसव पूर्व जांच 70, कुपोषित 4 आये।इस मौके पर कुल 12 मरीजों को रेफर किया गया।

किराने की दुकान से नकदी समेत उठा ले गए सामान

सीसीटीवी फुटेज के सहारे चोरों का पता लगाने में जुटी पुलिस

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। कृष्णानगर कोतवाली के विजयनगर चौकी क्षेत्र मे यादव चौराहा समीप बरहस्पतिवार की रात चोरों ने एक किराना व्यवसायी की दुकान में चोरी की वारदात की। शटर मे जग लगा। अंदर घुसे और नकदी समेत किराना का सामान व जरुरी दस्तवावेज उठा ले गए। शुक्रवार को पीड़िता ने चौकी पर पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

थाना पारा क्षेत्र की मायापुरम निवासी लक्ष्मी गुप्ता की कृष्णानगर थाना के विजयनगर चौकी क्षेत्र मे यादव चौराहा पर राज किराना स्टोर की दुकान है। पीड़िता ने बताया कि रोज की तरह बृहस्पतिवार की शाम वह अपनी दुकान बंद कर घर चली गयी थी।

शुक्रवार की सुबह में मकान मालिक के बेटे योगेंद्र यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि हमारे घर के गेट के बाहर से सरिया डालकर चोरो ने बंद कर दिया। जब वह दूसरे से गेट खुलवाकर बाहर निकले ।दुकान के शटर का ताला टूटा देखा। उसके बाद फोन कर घटना की सूचना दी।

चौकी पर दिए गए तहरीर में पीड़िता ने 45 हजार रूपये नकदी चुराने की बात कही है। उस रकम को वह जहां से सामान मंगाते हैं, उसी व्यापारी को देने के लिए रखे थे। इसके अलावा दुकान से चोर सामान भी चुरा ले गए। इस संबंध में विजय नगर चौकी प्रभारी अनीश सिंह ने बताया कि पुलिस जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। जल्द ही मामले का पर्दाफाश कर दिया जाएगा।

फाईव जी के दौर पर फोर जी मीटर खरीद पर उपभोक्ता परिषद ने उठाए सवाल

संवाददाता

लखनऊ। सबसे पहले उत्तर प्रदेश में वर्ष 2018 में एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड को पुरानी तकनीकी 2जी व 3जी के 50 लाख स्मार्ट मीटर लगाने का टेंडर दिया गया। जिसकी पुरानी तकनीकी पर उपभोक्ता परिषद ने विद्युत नियामक आयोग में याचिका डाली थी और इसका विरोध किया था। अंततः लंबे विवाद के बाद 12 लाख स्मार्ट मीटर लगने के बाद एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड ने उक्त मीटर लगाना बंद कर दिया। लेकिन आज तक पुरानी तकनीकी के स्मार्ट मीटर को 4 जी तकनीकी में भारत सरकार के आदेश के बाद भी कन्वर्ट नहीं किया। अब पुनः उत्तर प्रदेश में लगभग 25000 करोड के फोर जी स्मार्ट प्रीपेड मीटर के टेंडर जारी किए जा रहे हैं। जबकि यह परियोजना अगले 10 वर्षों के लिए है। जबकि सभी को पता है कि अगले दो से तीन वर्षों में 4 जी गायब हो जाएगा। जल्द 5जी पूरी तरीके से अपना विस्तार कर लेगा। तब इन पुरानी तकनीकी के स्मार्ट प्रीपेड मीटरों का क्या होगा ? इस पर कोई भी गंभीरता से विचार क्यों नहीं कर रहा है ? पुरानी तकनीकी के मामले में उपभोक्ता परिषद ने पहले भी पावर कारपोरेशन को सचेत किया था और आज उसका खामियाजा सभी भुगत रहे।

पूर्व में उपभोक्ता परिषद की याचिका पर विद्युत नियामक आयोग ने जो स्मार्ट मीटर का रोल आउट प्लान जारी किया है उसमें स्पष्ट लिखा है कि समय–समय पर जो तकनीकी अपग्रेड होगी। उसे जो भी मीटर लगाने वाली एजेंसी होगी उसे अपग्रेड तकनीकी में निशुल्क बदलाव करना होगा। जिसको आज तक एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड ने नहीं माना और अब फिर करोडो के स्मार्ट प्रीपेड मीटर पुरानी तकनीकी के खरीदे जा रहे है। जो आने वाले समय में प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं के जी का जंजाल बनेगा। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा आज उपभोक्ता परिषद जो खुलासा किया है मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विसेज ने 30 अगस्त 2023 को अपने इंटरनल क्वार्टर के लिए स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने की तकनीकी विशिष्टीकरण जो जारी की उसमें स्पष्ट रूप से इंगित किया की स्मार्ट प्रीपेड मीटर जो खरीदा जाएगा।

फतेहपुर के नगर क्षेत्र के17 स्कूल 13 से हो जायेंगे शिक्षक विहीन

संवाददाता

लखनऊ। फतेहपुर जनपद के नगर क्षेत्र के 17 स्कूल 13 सितंबर से शिक्षक विहीन हो जाएंगे। इन स्कूलों से संबद्ध अंतरजनपदीय तबादले पर आए शिक्षकों की ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों में तैनाती की तिथि घोषित हो गई है।बीएसए ने 190 शिक्षक संबद्ध कर नगरीय क्षेत्र के स्कूलों की पठन पाठन व्यवस्था मजबूत की थी। इनके साथ ही 22 स्कूल एकल व्यवस्था में चलेंगे। शिक्षकों की कमी का खामियाजा 5929 बच्चों का भुगतना पड़ेगा।तबादले पर आए शिक्षकों की वापसी के बाद नगर क्षेत्र में 218 के सापेक्ष सिर्फ 39 शिक्षक बचेंगे। 17 विद्यालय शिक्षकविहीन हो जाएंगे, जबकि 22 स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती है। ऐसे में एक शिक्षक पर कई–कई विद्यालयों में एमडीएम बनवाने की जिम्मेदारी होगी। आरटीआई के मानक के तहत 30 छात्र संख्या पर एक शिक्षक की नियुक्ति का प्रावधान है। इसके सापेक्ष नगर क्षेत्र के स्कूलों में 2011 के बाद से शिक्षकों की तैनाती न होने से 80 प्रतिशत पद खाली हो चुके हैं। एक ही शिक्षक अंग्रेजी, गणित, सामाजिक विषय पढ़ा रहा है। एमडीएम बनवाने, डीबीटी पोर्टल में अभिभावकों के खाते में रुपये ट्रांसफर करवाने के साथ हाउस होल्ड सर्वे की भी जिम्मेदारी है। तबादले पर आए शिक्षकों के संबद्ध होने से पठन पाठन व्यवस्था पटरी पर लौटी थी, जो अब फिर से अपने पुराने ढर्रे पर पहुंच जाएगी। फतेहपुर नगर क्षेत्र के 37 स्कूलों के 5929 बच्चों के पढ़ाने के लिए स्थाई रूप से सिर्फ 39 शिक्षकों की व्यवस्था है। बिंदकी नगर के छह स्कूलों में 633 बच्चों को पढ़ाने के लिए एक भी शिक्षक नहीं है। जुलाई में अंतरजनपदीय तबादले पर आए 190 शिक्षकों को बीएसए ने नगर क्षेत्र के स्कूलों में संबद्ध कर दिया था।

आशा संगनियो ने बीपीएम बीसीएम पर लगाया अवैध वसूली का आरोप

आशा संगनी तथा बीपीएम बीसीएम के बीच अवैध वसूली को लेकर छिडी जंग!पहुंची विधायक के दरबार न्याय की लगाई गुहार।

सोहावल –अयोध्या। सामुदायिक स्वास्थय केंद्र क्षेत्र मे कार्यरत आशासंगनियो ने बीपीएमयू यूनिट इंचार्ज बीपीएम बीसीएम द्वारा अवैध वसूली करने की शुरु हुई जंग विधायक के दरबार पहुंची। रानी देवी,संगीता वर्मा, मंजू सिंह, तारावती, मधू सिंह,अंजू सिंह, संगीता चौधरी, की अगुवाई मे लगभग एक दर्जन संगनियो ने बीकापुर विधायक अमित सिंह चौहान से मुलाकात कर लिखित शिकायत मे बताया कि मासिक बाऊचर पर दो सौ रुपये स्टेट हेड के भुगतान के नाम पर एक, हजार रुपये कुष्ठ रोग से संबधित पेमेंट की वसूली करने तथा विरोध करने पर कार्य से बहिष्कृत करने की धमकी देने का आरोप लगाया। बतौर उदाहण लगभग सात संगनियो का भुगतान रोकने का साक्ष्य दिया गया। जिसकी समय समय पर जिलास्तर के विभागीय अधिकारियो से शिकायत की गयी। बावजूद इसके कोई सुनवाई नही होने से दोनो प्रभारी अधिकारी का हौसला बढा हुआ है। मामले की छानबीन कर कार्यवाही करते हुए बकाया भुगतान कराते हुए की जा रही वसूली से निजात दिलाने की मांग की। विधायक अमित सिंह चौहान ने संबधित अधिकारी से उक्त मामले की जांच करने के लिए मुख्य मंत्री से शिकायत पहुचाकर न्याय दिलाने का भरोसा दिया।हालांकि इस बाबत बीपीएम विजय शुक्ला तथा बीसीएम नेहा सिंह ने सभी आरोपो को निराधार बताते हुए कहा कि नैट सिस्टम मे पोर्टल खराबी के कारण कुछ बाउचर इंट्री होने से छूट गये। जिसके कारण दो का भुगतान नही हो सका। शेष की पेमेंट कर दी गयी है।

सीएमओ ने ड्राप पिलाकर किया द्वितीय चरण का सघन मिशन इन्द्रधनुष 5.0 का शुभारंभ

11 सितंबर से 16 सितंबर तक चलेगा सघन मिशन इन्द्रधनुष 5.0 अभियान

अयोध्या। सोमवार को सघन मिशन इंद्रधनुष 5.0 द्वितीय चरण का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संजय जैन ने किया। 11 सितंबर से 16 सितंबर तक चलने वाले इस द्वितीय चरण का शुभारंभ उन्होंने ब्लॉक मसौधा के प्राइमरी स्कूल कोट सराय अयोध्या या छूटे बच्चे को ड्राप पिलाकर किया।इस मौके पर उन्होंने बताया कि इस चरण में भी जिसमें 0 से 2 वर्ष तक ऐसे सभी बच्चों का टीकाकरण जिनका किन्ही वजहों जैसे लेफ्ट आउट या ड्रॉप आउट हो गए हैं उन बच्चों का टीकाकरण किया जाएगा।इसके साथ ही साथ ही ऐसे सभी 2 से 5 वर्ष के बच्चो का टीकाकरण किया जायेगा।जिनकी एम आर की पहली व दूसरी डोज और डीपीटी,ओपीवी की बूस्टर डोज किसी कारण वश से छूट गई है इस द्वितीय चरण में उनका भी टीकाकरण किया जाएगा। इस मौके पर सीएमओ डॉ संजय जैन के अलावा डिप्टी डी आई ओ डॉ राजेश चौधरी, डीसीपीएम अमित कुमार,डी एच ई ई ओ डी पी सिंह,डी आई ओ ऑफिस से मनोज त्रिपाठी, सीएचसी मसौधा चिकित्सा अधीक्षक डॉ आशुतोष श्रीवास्तव,ब्लाक मोबिलाइजर कोर्डिनेटर धीरेन्द्र नाथ पाण्डेय,डीएमसी यूनिसेफ हवलदार सिंह यादव, मसौधा के बीपीएम,बीसीपीएम,हेल्थ सुपरवाइजर,आईओ साथ ही कोटसराय क्षेत्र की आशा संगिनी,आशा एवम आंगनवाड़ी उपस्थित रही।

अयोध्या धाम चौरिटेबल ट्रस्ट 26 सितंबर से शहर में निशुल्क लगायेगा मेडिकल कैंप।

अयोध्या। अयोध्या धाम चौरिटेबल ट्रस्ट 26 सितंबर से शहर में निशुल्क मेडिकल कैंप लगाकर स्वास्थ्य संबंधित जांच कराएगा यह निर्णय शहर के मोती बाग स्थित आभा होटल के सभागार में अयोध्या धाम चौरिटेबल ट्रस्ट की बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया। बैठक के मुख्य अतिथि अयोध्या धाम चौरिटेबल ट्रस्ट के संरक्षक लखनऊ निवासी श्री अनूप तोलानी जी उपस्थित थे जिनका स्वागत व अभिनंदन ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय महिंद्रा व महामंत्री प्रतीक वैश्य भज्जा ने किया बैठक में पिछले दिनों ट्रस्ट में शामिल होने वाली समाजसेविका मीनू कपूर पूर्व प्रधानाचार्य आर्य कन्या इंटर कॉलेज तथा महिला उत्पीड़न के खिलाफ लंबे अरसे से संघर्ष करने वाली भारती सिंह एडवोकेट का स्वागत व अभिनंदन किया गया बैठक में संरक्षक मंडल के द्वारा सर्वसम्मति से ट्रस्ट का पुनर्गठन किया गया तथा ट्रस्ट के संरक्षक मंडल का सदस्य श्रीमती मीनू कपूर जी को बनाया गया व उपाध्यक्ष पद पर भारती सिंह एडवोकेट मंजूर खान अवधेश कुमार शुक्ला श्रीमती नीलम श्रीवास्तव को बनाया गया व सचिव के पद पर श्रीमती मीना अवस्थी संजय सरीन पवन कुमार जायसवाल श्रीमती पूनम शर्मा श्रीमती आरती शुक्ला तथा ऑडिटर के पद पर उमेश चंद्र इंजीनियर व राजन कुमार को सांस्कृतिक प्रभारी का नया दायित्व दिया गया है बैठक के मुख्य अतिथि ट्रस्ट के संरक्षक श्री अनूप कुमार तोलानी ने अपने संबोधन में कहा कि ट्रस्ट का मूल काम चौरिटी करना है जिसको हम सबको मिलकर स्वास्थ्य शिविर बड़े पैमाने पर लगाने की आवश्यकता है ट्रस्ट के बढ़ते हुए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि ट्रस्ट अयोध्या जिले में ही नहीं उत्तर प्रदेश सहित पूरे भारत के अंदर ट्रस्ट का नाम रोशन होगा उन्होंने ट्रस्ट मैं शामिल होने वाले लोगों को बधाई दिया तथा तथा नए पदाधिकारी को शुभकामनाएं दिया बैठक की जानकारी देते हुए ट्रस्ट के महामंत्री प्रतीक वैश्य भज्जा नहीं बताया कि 26 सितंबर को लगने वाले मेडिकल कैंप के स्थल की जानकारी एक–दो दिन में बता दी जाएगी बैठक को मुख्य रूप से संबोधित करने वालों में संरक्षक डॉक्टर सीताराम अग्रवाल संरक्षक डॉक्टर जावेद अख्तर संरक्षक राम बहल जी संरक्षक प्रीतम सिंह संरक्षक डीएन वर्मा उपाध्यक्ष कविंद्र साहनी उपाध्यक्ष सचिन सरीन महामंत्री प्रतीक वैश्य भज्जा ट्रस्ट की कोषाध्यक्ष श्रीमती एकता टंडन सचिन श्रीमती सुचिता भल्ला सम्मानित सदस्य अजय श्रीवास्तव श्रीमती बबीता यादव श्रीमती विजेता जायसवाल अमित कुमार विभूति कुमार श्रीवास्तव शशि रावत आशीष कौर कंचन राठौर आकांक्षा सिंह को ट्रस्ट के संरक्षक व मुख्य अतिथि तथा संरक्षक गणों ने पटका पहना कर सबका स्वागत व अभिनंदन किया बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय महिंद्रा व संचालन ट्रस्ट के महामंत्री प्रतीक वैश्य भज्जा ने किया आए हुए लोगों का आभार ट्रस्ट की कोषाध्यक्ष एकता टंडन ने किया।

7 नवंबर को जंतर मंतर पर विश्व के ब्राह्मणों का धरना

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।07नवम्बर2023 को देश की राजधानी नईदिल्ली में पूर्वाह्न11.00बजे से अखिल भारतीय चाणक्य परिषद, एवं संयुक्त ब्राह्मण संघर्ष समिति के संयोजक पंडित कृपा निधान तिवारी अयोथ्या द्वारा ब्राह्मण हितार्थ अ को सौपनें हेतु अधिक से अधिक संख्या जनाधार से सहभागिता कर सहयोग करें। अयोध्या के अखिल भारतीय चाणक परिषद के यशस्वी जिला अध्यक्ष पंडित दुर्गा प्रसाद तिवारी आफत ने कहा ने अग्रिम पीढ़ियों के बच्चों के भविष्य अधिकारों को सुरक्षित एवं संरक्षित करने में संख्या बल का सहयोग अपेक्षित है।रामजी की इच्छा से जय परशुराम

डॉ०उपेन्द्र नाथ त्रिपाठी प्रभारी संयोजक अखिल भारतीय संयुक्त ब्राह्मण संघर्ष , पंडित उमाशंकर तिवारी, पंडित लखनदार त्रिपाठी, पंडित प्रयाग दत्त तिवारी, गोपाल तिवारी, पंडित ओमप्रकाश पांडे उर्फ राजू, पंडित बाबूराम पांडे, विनीत पांडे, गीता मिश्रा, पंडित चंद्रशेखर पांडे, पंडित द्वारिका प्रसाद पांडे, पंडित अमरनाथ पांडे आज हजार ऑन अखिल भारतीय चाणक्य परिषद परिवार के पदाधिकारी ने दिल्ली चलने का आवाहन किया।

अयोध्या को अब गुड़ का गढ़ बनाने की तैयारी

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।मुजफ्फरनगर के साथ–साथ अब अयोध्या को भी गुड़ का गढ़ बनाया जाएगा।

दोनों जिलों में ऑटोमेटिक गुड़ प्रसंस्करण इकाई और ऑटोमेटिक क्रेन क्रशिंग प्लांट लगाया जाएगा।

गोंडा में पॉपकॉर्न और कॉर्नफ्लैक्स का प्लांट लगाया जाएगा।

इसी तरह 7 जिलों में यह प्रयोग फरवरी तक शुरू हो जाएगा। इस नई पहल से छोटे शहर के युवाओं को अपनी जमीन में रोजगार देने की पहल की जाएगी।

व्यापार मंडल के प्रमुख प्रतिनिधियों व पदाधिकारियों का एक शिष्टमंडल आज जनपद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आर. के. नैयर से मिला।

अयोध्या। व्यापार मंडल के प्रमुख प्रतिनिधियों व पदाधिकारियों का एक शिष्टमंडल आज जनपद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आर. के. नैयर से मिला और अयोध्या व्यापार मंडल के नेता अचल गुप्ता के विरुद्ध की गई एक पक्षीय कार्रवाई पर अपना असंतोष व्यक्त किया, वहीं अयोध्या नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ व्यापारी नेता राधे श्याम गुप्ता, अध्यक्ष पंकज गुप्ता, भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ संयोजक व महानगर प्रभारी विश्व प्रकाश रूपन, महामंत्री व पार्षद नंद लाल गुप्ता, भाजपा के वरिष्ठ नेता अनूप गुप्ता, बृजकिशोर गुप्ता, केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति अध्यक्ष मनोज जायसवाल, जिला प्रभारी कमल कौशल, स्वर्ण कार समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र सोनी, समाजवादी व्यापार सभा के शक्ति जायसवाल , वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्याम सुंदर कसेरा, भाजपा पूर्व नगर अध्यक्ष विनोद श्रीवास्तव,विपिन जी रजत गुप्ता, सहित 21 सदस्यों के प्रतिनिधि मंडल ने साजिश करके तेजतर्रार व्यापारी नेता अचल गुप्ता पर हमला करने व उल्टा उन्हें ही फर्जी फंसाने तथा प्रथम सूचना प्रार्थना पत्र देने के बाद कोतवाली पुलिस द्वारा मेडिकल कराने के बाद भी अचल गुप्ता की एफ. आई. आर. दर्ज ना कर उन्ही के विरुद्ध जानलेवा हमले 307जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उत्पीड़न किये जाने का संज्ञान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने इस घटना की निष्पक्ष जांच व व्यापारियों का कतई उत्पीड़न न करने हेतु आश्वस्त करते सी. ओ. अयोध्या को निर्देशित किया।

जनपद की अन्य समस्याओं व व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैठक करने की विश्व प्रकाश रूपन की मांग को स्वीकार कर आगामी 15 ता. को व्यापार मंडल के साथ बैठक करने की भी बात कही।

व्यापार मंडल के समस्त पदाधिकारियों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की न्याय प्रियता व संवेदनशीलता के प्रति आभार व्यक्त किया।

चिकित्सा शिविर में 265 मरीजो का स्वास्थ्य परीक्षण करके चिकित्सकों द्वारा निशुल्क दवा वितरित की गई

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या तारुन क्षेत्र की प्राथमिक विद्यालय बेनीगद्दोपुर में रविवार को निशुल्क चिकित्सा शिविर व दवा वितरण का आयोजन सीताराम मेडिकल सेंटर नाका अयोध्या के सौजन्य से किया गया। शिविर में 265 मरीज का स्वास्थ्य परीक्षण करके जिसमें शुगर बीपी और पल्स की जांच करके निशुल्क दवा वितरित की गई। आयोजन जिला पंचायत सदस्य हरिश्चंद्र निषाद ने बताया कि स्वास्थ्य शिविर में क्षेत्र के लोगों ने पहुंच कर अपना इलाज कराया। जिसमें ग्राम सभा निवासी रामकल्प निषाद को शुगर व बीपी की दिक्कत थी जिनकी जांच कर करके दवा उपलब्ध कराई गई। जबकि सूर्य बली व अमरनाथ को भी स्किन प्रॉब्लम थी। चंद्रावती, चंपावती गयादेवी ने भी चिकित्सकों को दिखाकर निशुल्क दवा प्राप्त किया। शिविर में पूर्व सीएमओ प्रयागराज डॉक्टर नानक सरन, डॉक्टर अनुपमा सिंह महिला चिकित्सक, डॉक्टर अंतिम चिकित्सा अधिकारी, डॉक्टर दीनानाथ वरिष्ठ सर्जन, डॉ विनय सिंह नेत्र सर्जन, डॉ राम प्रकाश फिजिशियन, विजय कुमार प्रमुख रहे ।शिविर में गया प्रसाद निषाद ,राकेश निषाद ,मंसाराम, रंजीत कुमार विजय कुमार एवं क्षेत्र वासियों का विशेष सहयोग रहा।

डॉ वीरेंद्र वर्मा को मिला फेलोशिप सम्मान

अयोध्या। दर्शन नगर स्थित राजश्री दशरथ मेडिकल कॉलेज में मेडिसिन बिभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ वीरेंद्र वर्मा को लखनऊ में इंडियन सोसाइटी ऑफ हाइपरटेंशन की तरफ

से फेलोशिप से सम्मानित किया गया।उनकी इस उपलब्धि पर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ सत्यजीत वर्मा, मेडिकल कॉलेज के सीएमएस डॉ अरविन्द सिंह मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ अरविन्द कुमार,अधीक्षक डॉ आनंद शुक्ला समेत अन्य कर्मचारियों ने उन्हें बधाई दिया।

नहीं मिला किशोरी को अगवा करने का आरोपी

अयोध्या। कोतवाली अयोध्या क्षेत्र निवासी छात्रा को अगवाकर उसके साथ मारपीट और आबरू पर हमले के आरोपी का कोई सुराग नहीं मिला। वह पर जिला अस्पताल से पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गया था। प्रकरण में पुलिस ने फरार विचाराधीन बंदी 25 वर्षीय आकाश निषाद निवासी बनवारी का पुरवा समेत सुरक्षा में तैनात सिपाही मनोज, रणजीत व दिलीप के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

मूल रूप से अंबेडकरनगर के जलालपुर थाना क्षेत्र निवासी आकाश का पुलिस ने 10 जुलाई को चालान किया था और पुलिस लाइन के जवान उसे 6 सितंबर को अदालत तारीख पेशी पर लाइ थी और गश खाकर गिरने पर जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। उपचार के दौरान आकाश 8 सितंबर की रात 1.34 बजे फरार हो गया था। सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस लाइन के उपनिरीक्षक राम प्रकाश सिंह की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर तलाश और छानबीन कराई जा रही है।

तीन पुलिसकर्मियों और फरार बंदी पर केस

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या जिला अस्पताल से गुरुवार की रात फरार हुए बंदी का अभी तक पता नहीं चला है। कोतवाली नगर पुलिस ने बंदी व उसके सुरक्षा में तैनात तीन सिपाहियों के खिलाफ केस दर्ज किया है।अयोध्या कोतवाली क्षेत्र के बनवारी का पुरवा निवासी आकाश निषाद (20) किशोरी के अपहरण के आरोप में 10 जुलाई को जेल में निरुद्ध हुआ था। छह सितंबर को उसे पेशी के लिए न्यायालय ले जाया गया था। जहां उसकी तबियत खराब होने पर इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सात–आठ सितंबर की रात करीब डेढ़ से दो बजे के बीच वह सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों को चकमा देकर अस्पताल से फरार हो गया। उसकी सुरक्षा में तीन आरक्षी तैनात थे। घटना के दो दिन बाद भी फरार बंदी का पता नहीं चल सका।सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि उप निरीक्षक राम प्रकाश सिंह की तहरीर पर फरार बंदी आकाश व सुरक्षा में तैनात सिपाही मनोज, रणजीत व दिलीप के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। कैदी की तलाश की जा रही है।

रामंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर बजरंगदल पांच लाख गांवों में निकालेगा शौर्य यात्रा

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या राममंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को व्यापक बनाने की तैयारियों में विहिप जुटी है। बजरंगदल तीस सितम्बर से पन्द्रह अक्टूबर के मध्य शौर्य यात्रा निकालने जा रहा है।विहिप के अंतराष्ट्रीय कार्याध्यक्ष एडवोकेट आलोक कुमार का कहना है कि श्रीराम जन्मभूमि प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम को संपूर्ण विश्व में आनंदोत्सव के रुप में मनायेंगी विश्व हिंदू परिषद,भारत में प्राणप्रतिष्ठा से पूर्व बजरंग दल तीस सितंबर से पंद्रह अक्टूबर तक शौर्य यात्रा निकालेगा,यह यात्रा देश के पांच लाख से ऊपर गांवों तक पहुंचेगी। उक्त जानकारी उन्होने विहिप की श्रीराम जन्मभूमि परिसर के निकट चल रही क्षेत्रीय और केंद्रीय मंत्रियों की बैठक के पश्चात दी। उन्होने कहा कि रामंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम जन–जन, हर राम भक्त का कार्यक्रम बने देश ही नही विदेशों में निवास करने वाले भी इस महाउत्सव में सहभागी हों इसके लिये ही संगठन की दो दिवसीय बैठक रामनगरी में आयोजित की गयी है। उन्हों ने बताया कि देश भर के मठ मंदिरो में प्राण प्रतिष्ठा की उस तिथि को पूजन पाठ यज्ञ हवन आरती होगी साथ ही हर घर रामभक्त रात्रि में पांच दीपक अवश्य जलायेंगे और करोड़ों भक्तों के बीच प्रसाद वितरण भी होगा। इससे पूर्व युवा संगठन बजरंग दल के बैनर तले देश के पांच लाख से ऊपर गांवों तक आगामी तीस सितंबर से पंद्रह अक्टूबर तक दस हजार प्रखंडों में शौर्य यात्राएं पहुंचेंगीं। ऐसे लगभग बड़ी और छोटी दो हजार दो सौ इक्यासी यात्रायें निकलेगी।

उन्होंने बताया कि इस दौरान यात्रा मार्गों पर धर्म सभाओं का भी आयोजन होगा,युवा शक्ति के इस महाअभियान सें देश मे अन्तरिक और बाह्य चुनौतियों का सामना करने के लिये हिंदू समाज में सामाजिक समन्वय रुपी एकता वा संकल्प का निर्माण होगा। उन्होंने बताया कि दीपावली पखवाड़े के दौरान देश की सन्त शक्ति गांव वा शहरों में पद यात्रा और सभायें भी करेगी।

लंपी वायरस से बचाव के लिए टीकाकरण शुरू

प्रभावित क्षेत्रों के पशुओं के बाहर आने जाने व खरीद बिक्री पर लगी रोक, हो रहा दवाओं का छिड़काव

अयोध्या। पशुओं में फैलने वाली लंपी वायरस से बचाव के लिए बृहद टीकाकरण अभियान शुरू हो गया है। वायरस से प्रभावित क्षेत्र के पशुओं के बाहर आने जाने व खरीद बिक्री पर रोक लगा दी गई है। क्षेत्र की बाजारों को भी निर्देश जारी किए जा रहे हैं। दुग्ध संघ के मैनेजिंग डायरेक्टर आनंद कुमार सिंह ने अधिकारियों के साथ बैठक की उसके बाद प्रभावित गांव का दौरा भी किया। बैठक में जानवरों में फैलने वाली लंपी वायरस को लेकर चर्चा की वायरस से बचाव के लिए बताया कि वैक्सीन शनिवार को ही जिले में पहुंच गई है। आज से प्रभावित क्षेत्र में रिंग वैक्सीनेशन का काम किया जा रहा है। लंपी वायरस अभी बाराबंकी से सटे इलाके रुदौली और मवई क्षेत्र में फैला है। मिल्कीपुर तहसील से सटे पड़ोसी जनपद के सीमावर्ती गांव मरूई गनेशपुर, बलरमऊ,जोरियम, पूरब गांव, गोकुला , नरेन्द्रा भादा सहित पड़ोसी जनपद से सटे गांव में टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है, ताकि आसानी से लंपी वायरस को रोका जा सके। इसके साथ–साथ प्रभावित क्षेत्र के जानवरों को बाहर ले आने ले जाने पर पाबंदी लगा दी गई है पशुओं को पड़कर क्षेत्र की गौशालाओं में डालने पर भी रोक लगा दी गई है। लम्पी स्किन डिजीज के नोडल अधिकारी डॉ. विवेक कुमार शुक्ल द्वारा लम्पी स्किन डिजीज से सम्बन्धित जनपद के प्रभावित क्षेत्र का विवरण का अध्यक्ष के समक्ष प्रस्तुत किया गया। अवगत कराया गया कि वर्तमान समय में जिले के 6 विकास खंड के 15 ग्रामों में कुल 60 गोवंश लम्पी बीमारी से प्रभावित है, जिनकी चिकित्सा की जा रही है। किसी भी गोवंश की लम्पी स्किन डिजीज से मृत्यु नहीं हुई है। मुख्य विकास अधिकारी अनिता यादव द्वारा सभी खंड विकास अधिकारियों को जनपद के समस्त गो आश्रय स्थलों, ग्राम पंचायतों में साफ सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराने, कीटनाशक का छिड़काव एवं फागिंग कराने के निर्देश दिए गए। नगर विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग को एंटी लार्वा दवा के छिड़काव हेतु निर्देशित किया गया। प्रबन्ध निदेशक, पीसीडीएफ आनन्द कुमार सिंह द्वारा सभी एसडीएम, बीडीओ, पशु चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी अपने–अपने क्षेत्रों में सघन अभियान चलाकर लम्पी स्किन प्रभावित गोवंशों का चिन्हांकन कर इसके रोकथाम हेतु एकीकृत प्रयास करें। पॉजिटिव केस रिपोर्ट करने में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाय। उक्त महामारी के खिलाफ जन जागरूकता अभियान चलाने, कंट्रोल रूम को एक्टिव रखने, सभी गोवंश आश्रय स्थलों में फागिंग, लार्वासाइड, चूना छिड़काव कराने के निर्देश दिए। लंबी वायरस को लेकर आयोजित बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अनिता यादव, अपर निदेशक ग्रेड 2 पशुपालन विभाग डॉ० ए०के० सिंह, अपर जिलाधिकारी सलिल पटेल, अपर नगर आयुक्त वागीश शुक्ल अपर पुलिस अधीक्षक, जनपद के समस्त उपजिलाधिकारी उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी खण्ड विकास अधिकारी पशु चिकित्साधिकारी आदि उपस्थित रहे।

डिप्टी सीएम ने महानाट्य जाणता राजा के प्रचार रथ को किया रवाना

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के गोमती नगर विस्तार में प्रदेश कार्यालय दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के सेवा प्रकल्पों को समर्पित हिन्दवी स्वराज के 350वें वर्ष पर छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित विश्व का सबसे बड़ा ऐतिहासिक महानाट्य ष्जाणता राजाश के प्रचार रथ का शुभारम्भ कार्यक्रम में उपस्थित महानुभावों को संबोधित किया।

अवध विश्वविद्यालय के कौशल विकास हब में विद्यार्थियों के प्रथम बैंच का प्रशिक्षण प्रारम्भ

विद्यार्थियों को प्रशिक्षित होने के साथ हुनरमंद होना होगा-कुलपति।

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौशल विकास हब में उत्तर प्रदेश विकास मिशन के अंतर्गत सोमवार को पर्यावरण विज्ञान विभाग में एग्रीकल्चर सेक्टर के एसेंशियल आयल एक्सट्रैक्शन पाठ्यक्रम के प्रथम बैच का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विवि की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने बताया कि आज शिक्षा को रोजगार से जोड़ने की जरूरत है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की आवश्यकता है कि विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ–साथ व्यवहारिक ज्ञान भी प्राप्त करना होगा। कुलपति ने कहा कि आज का युग तकनीकी का युग है इसमें विद्यार्थियों को प्रशिक्षित होने के साथ हुनरमंद होना होगा। उन्होंने आगे कहा कि विद्यार्थियों में कौशल का होना अति आवश्यक है। कॅरियर की दृष्टि से वर्कशॉप व सेमिनार पथ प्रदर्शक बनेगें। उत्तर प्रदेश विकास मिशन इस दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। इसमें सरकार पूरा सहयोग प्रदान कर रही है। विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों को कौशल विकास मिशन को धरातल पर लाने के लिए प्रयास करना होगा। इसी क्रम में विश्वविद्यालय का कौशल विकास हब कार्य कर रहा है। कुलपति प्रो0 गोयल ने कहा कि अयोध्या में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। इसके लिए विद्यार्थियों को हुनरमंद बनाने के साथ साथ रोजगार भी उपलब्ध कराया जा सकेगा। इसके लिए इन्हें विशेषज्ञता हासिल करनी होगी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कौशल विकास हब के निदेशक प्रो0 जसवंत सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तहत युवाओं में कौशल विकास का प्रशिक्षण देना है। विश्वविद्यालय को एग्रीकल्चर एवं टूरिज्म हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में सरकारी प्रशिक्षण प्रदाता के रूप में 4 बैच का लक्ष्य आबंटित किया गया है उसी क्रम में एग्रीकल्चर एसेंशियल आयल एक्सट्रैक्शन कोर्स के 27 प्रशिक्षुओं के प्रथम बैच का शुभारंभ किया गया। स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा प्रो जसवंत सिंह एवं अमित मिश्रा को नामित किया गया है। कौशल विकास हब की टीम में डॉ0 संजीव कुमार गुप्ता, डॉ0 अंकित मिश्रा, डॉ0 महेंद्र पाल का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में प्रो0 सिद्धार्थ शुक्ला, पर्यावरण विभागाध्यक्ष डॉ0 विनोद चौधरी, डॉ0 महिमा चौरसिया, डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी, डॉ0 अंशुमान पाठक, डॉ0 एके बाजपेई सहित अन्य मौजूद रहे।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24 / 234 / 2019 / R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।